केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 24 मंगलवार 13 अगस्त 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

सावन के चौथे सोमवार को शिवमंदिरों में उमड़ी आस्था, हुआ जलाभिषेक

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। सावन मास के चौथे सोमवार को शिवमंदिरों में आस्था की भीड़ उमड़ पड़ी। श्रद्धालु सुबह से ही पूजन–अर्चन करते हुए जलाभिषेक किया और मन्नतें मांगी। जिले के प्रसिद्ध शिवमंदिर भदेश्वरनाथ में भोर से श्रद्धालुओं का आना शुरू गया था। क्रमवार शिवभक्त जलाभिषेक किए। बताया गया कि यहां 30 हजार से अधिक श्रद्धालु सोमवार को जलाभिषेक करते हैं। दूर–दराज से शिवभक्त भोले की कृपा पाने के लिए पूजन–अर्चन के लिए पहुंचते हैं। मंदिर के पुजारी और वालंटरिया श्रद्धालुओं की सेवा में जुटे रहे। वहीं पुलिस कर्मी भी व्यवस्था में तैनात रहे। इसके अलाव कड़र शिव मंदिर, भारीनाथ, जागेश्वरनाथ तिलकपुर, झारखंडेश्वर नाथ मंदिर में भी श्रद्धालुओं ने पूजा–अर्चन करते हुए जलाभिषेक किया। इसके अलावा श्रद्धालुओं ने रुद्राभिषेक कर भी मन्नतें मांगी। पूरे जिले में सावन को लेकर उल्लास है। शहर के कंपनीबाग शिवमंदिर में भी शहरवासियों ने जलाभिषेक किया। घरों में भी पूजा–पाठ में लोग लीन रहे।

उद्यमियों की समस्याओं के निराकरण का निर्देश

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती । जिलाधिकारी रवीश गुप्ता की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला उद्योग बन्धु समिति की बैठक सम्पन्न हुआ। उन्होने उद्यमियों की समस्याओं को एक–एक करके गम्भीरतपूर्वक सुना और संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि उद्यमियों की समस्याओं का निराकरण करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होने अधिकारियों को निर्देशित किया कि उद्यमियों की शिकायत को समयबद्धता के साथ निस्तारण किया जायें। उन्होने निवेशमित्र पोर्टल पर विभागवार लम्बित मामलों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि समय से निस्तारण करना सुनिश्चित करें। उन्होने ऋण योजना, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार, एक जनपद एक उत्पाद, वित्त पोषण सहायता, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, औद्योगिक इकाईयों की कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था पर विचार की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया।

बैठक में उपायुक्त उद्योग हरेन्द्र प्रताप ने बताया कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट–2023 में हस्ताक्षरित एमओयू के विभागवार प्रकरण विचारार्थ प्रस्तुत है। उन्होने बताया कि वर्तमान माह तक 296 एमओयू हस्ताक्षरित हो चुके है, जिसमें 14434.30 करोड़ का पूँजीनिवेश एवं 19945 का रोजगार प्रस्तावित है।

जिला स्तरीय वाणिज्य बन्धु समिति की बैठक की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने व्यापारी संगठनों के पदाधिकारीगणों की उक्त मांगों के दृष्टिगत संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित निस्तारण हेतु निर्देशित किया। बैठक में व्यापारी संगठन के पदाधिकारियों द्वारा पेयजल, जलजमाव, पाण्डेय बाजार रेलवे कासिंग पर जाम के दृष्टिगत ओवरब्रिज बनाये जाने के संबंध में प्रतिवेदन दिया गया।

बैठक में सीडीओ जयदेव सी. एस., एडीएम प्रतिपाल सिंह चौहान, अपर पुलिस अधीक्षक ओम प्रकाश सिंह, जिला सेवायोजन अधिकारी अवनेन्द्र प्रताप वर्मा, एलडीएम आर.एन. मौर्या, अपर मुख्य अधिकारी विनय वर्मा, महासचिव चैम्बर आफ कॉमर्स एण्ड इण्डो एचएसी0शुक्ला एवं अध्यक्ष अशोक सिंह, इण्डस्ट्रियल डेवलपमेण्ट एसोसीएशन अनिल सिंह सहित संबंधित अधिकारी एवं उद्यमीगण तथा क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी, सदस्य रेलवे सलाहाकार बोर्ड तथा उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल उ0प्र0 व अन्य व्यापार प्रतिनिधि मंडल के पदाधिकारी व प्रतिनिधि उपस्थित रहें।

पाकिस्तान के आईएसआई चीफ रहे फैज हमीद हिरासत में, कोर्ट मार्शल की तैयारी

नई दिल्ली (आभा)। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर सर्विसेज इंटेलिजेंस के पूर्व प्रमुख फैज हमीद को हिरासत में लिया गया है। आवास योजना घोटाले के सिलसिले में आर्मी की ओर से यह ऐक्शन लिया गया। पाकिस्तानी सेना के जनसंपर्क विंग की ओर से कहा गया, पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का पालन करते हुए यह कदम उठाया गया। लेफ्टिनेंट के खिलाफ दर्ज शिकायतों की सत्यता का पता लगाया जाएगा। फिलहाल, पाकिस्तान सेना अधिनियम के प्रावधानों के तहत लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद (रिटायर्ड) के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की गई है। फैज हमीद के खिलाफ सेवानिवृत्ति के बाद भी पाकिस्तान सेना अधिनियम के उल्लंघन के कई मामले दर्ज हुए हैं। इसे लेकर फील्ड जनरल कोर्ट मार्शल की प्रक्रिया शुरू की गई है।

व्यापारियों ने किया पाण्डेय बाजार, शुगर मिल के पास ओवरब्रिज बनवाने की मांग, सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। सोमवार को व्यापार बंधु की बैठक के बाद बस्ती उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल जिलाध्यक्ष आनन्द राजपाल, महामंत्री सूर्य कुमार शुक्ल के नेतृत्व में पदाधिकारियों, और सदस्यों ने जी.एस.टी. के डिप्टी कमिश्नर उपेन्द्र यादव को रेलवे फाटक नम्बर 199 पर ओवर ब्रिज बनवाये जाने का आग्रह किया। व्यापार बंधु की बैठक में आनन्द राजपाल, सूर्य कुमार शुक्ल के साथ ही अनेक व्यापारियों से कई मुद्दे उठाये और उसके प्रभावी निस्तारण का आग्रह किया।

ज्ञापन में कहा गया है कि रेलवे फाटक नंबर 199 जो नई बाजार से पाण्डेय बाजार को जोड़ता है वह ज्यादातर बंद रहने की वजह से यहां जाम की स्थिति बनी रहती है । मांग किया कि रेलवे फाटक नंबर 199 को ओवरब्रिज बनवाया जाए । इससे व्यापारियों का व्यापार भी नहीं खराब

–व्यापार बंधु की बैठक में उठे जमीनी मुद्दे

होगा व्यापार सुचारू रूप से चलता रहेगा । इसके साथ ही आने. जाने की व्यवस्था भी ठीक हो जाएगी । इसके साथ ही रेलवे फाटक नंबर 198 जो शुगर मिल के पास है उस पर विचार करके उस पर भी ओवरब्रिज बनवाया जाए जिससे पाण्डेय बाजार व नई बाजार की जाम की समस्या समाप्त हो जाए और वहां का व्यापार सुचार रूप से चल सके।

ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से प्रमोद गुप्ता, सतीश सोनकर, सुनील गुप्ता, आशुतोष पाण्डेय, कृपा शंकर तिवारी, शेषनारायण गुप्ता, रविन्द्र पाल सिंह, अजय कुमार चौधरी, अदालत प्रसाद के साथ ही उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल के अनेक पदाधिकारी, व्यापारी शामिल रहे।

युवा दिवस पर याद किये गये स्वामी विवेकानन्द, सम्मानित हुये छात्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। अर्न्तराष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर नगर पंचायत भानपुर कार्यालय के परिसर में स्वच्छ भारत मिशन– नगरीय के अंतर्गत स्वच्छ सारथी क्लब के छात्र–छात्राओं को पाठशाला 2.0 कार्यक्रम के तहत उनके उत्कृष्ट योगदान के लिये सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में किसान इण्टर कॉलेज भानपुर ,यू0पी0एस0 भानपुर ,यू0पी0एस0 बनवधिया, बैदौला के विद्यार्थियों द्वारा काकोरी एक्शन प्लान व स्वामी विवेकानंद के जीवन पर कार्यक्रम के साथ ही स्वागत गीत की प्रस्तुति की गई ।

वक्ताओं ने स्वामी विवेकानन्द के जीवन और योगदान पर विस्तार से प्रकाश डालते हुये कहा कि वे स्वामी जी के जीवन से प्रेरणा ले।

कार्यक्रम में विद्यालयों के अध्यापक व ब्रांड एम्बेसडर बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने हिस्सा लिया। अधिशाषी अधिकारी ऋचा सिंह द्वारा छात्र,छात्राओं को प्रशस्ति पत्र, टी–शर्ट, व कैप देकर सम्मानित किया गया । कार्यक्रम में अविनाश मिश्रा ,बीरेन्द्र कुमार, रवि सिंह , नीतीश श्रीवास्तव, शिवकुमार यादव, अनिल, दीपक, आदित्य,मुकेश, योगेश व सफाई कर्मी उपस्थित रहे।

विधायक अजय सिंह ने बाढ़ पीड़ितों में किया राहत सामग्री का वितरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। हरैया विधायक अजय सिंह ने सोमवार को विक्रमजोत विकासखण्ड के माझा किता अव्वल गांव के बाढ़ से प्रभावित 650 परिवारों को राहत सामग्री प्रदान की। तहसील प्रशासन के साथ बाढ़ पीड़ितों में लाई, आलू, आटा, तेल, माचिस, चावल, चना, पानी रखने का डिब्बा सहित अन्य रोजमर्रा की जरूरी सामानों का वितरण किया।

विधायक ने ग्रामीणों से मुखातिब होकर नुकसान की जानकारी लेते हुए उन्हें आश्वस्त किया कि इस घड़ी में हमारी सरकार उनके साथ है तथा सभी की हर संभव मदद की जाएगी। कहा कि हमारी सरकार ने प्रयास किया है कि सभी तक राहत सामग्री समय से पहुंचे। इसमें शासन प्रशासन के लोग लगे हुए हैं। हम लोग बाढ़ पीड़ित लोगों के स्वास्थ्य का भी ध्यान रख रहे हैं।

एसडीएम हरैया विनोद पाण्डेय, नायब तहसीलदार ऋषभ सिंह, अखिलेश सिंह, हर्ष सिंह, अरविंद सिंह, संजय सिंह, रामपूल निषाद, मगन निषाद, देवी यादव, सोहनलाल निषाद, भरत सिंह, रंजन सिंह, निर्मल सिंह, लवकुश वर्मा, दुर्गेश सिंह, रामपाल यादव, राजस्व निरीक्षक अजय तिवारी, दिनेश मिश्र लेखपाल संतोष उपाध्याय, मोहम्मद गुलजार, शशिधर मिश्र, अवधेश श्रीवास्तव, पंकज सहित बड़ी संख्या में बाढ़ प्रभावित लोग और क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

सपा के युवा संगठनों ने शिविर लगाकर बनाये सदस्य

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती । प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर सोमवार को समाजवादी पार्टी छात्र सभा जिलाध्यक्ष अजय यादव के संयोजन में गनेशपुर कस्बे के शंकरनगर चौराहे पर तीसरे दिन सदस्यता अभियान चलाया गया। बूंदा बांदी, बारिश के बावजूद 100 से अधिक लोगों ने सदस्यता लिया।

सदस्यता अभियान में लोहिया वाहिनी जिलाध्यक्ष रहमान सिद्दीकी, मुलायम सिंह यूथ विग्रेड के महासचिव मो. हारिश, युवजन सभा जिलाध्यक्ष विपिन त्रिपाठी आदि ने योगदान दिया। सपा के फ्रन्टल संगठनों का चरणबद्ध ढंग से कार्यक्रम 31 अगस्त तक विभिन्न कार्यक्रमों के साथ जारी रहेगा।

कार्यक्रम में सपा उपाध्यक्ष जावेद पिण्डारी, मुलायम सिंह यूथ विग्रेड के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मोहन गंगवार, मुलायम सिंह यूथ बिग्रेड के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राहुल सिंह, सचिव प्रेमचन्द्र सोनी, डीआर.यादव श्यामममणि यादव, रामवृक्ष यादव, दाउद खान, रामभवन यादव, जहीर अंसारी, संदीप निषाद, राहुल निषाद, आदि ने सदस्यता अभियान में सहयोग किया। कहा कि फ्रन्टल संगठनों के पदाधिकारी सपा के नीति और कार्यक्रमों से लोगों को जोड़ रहे हैं। वक्ताओं ने कहा कि समाज में राजनीतिक, सामाजिक परिवर्तन का दायित्व युवाओं के कंधे पर है। प्रदेश नेतृत्व द्वारा संगोष्ठी, पीडीए पौधरोपण के साथ ही जो कार्यक्रम दिये गये हैं उसे पूरी तन्मयता से पूरा किया जा रहा है। युवा छात्र संघ बहाली के लिये रचनात्मक आन्दोलन के साथ ही पेपर लीक, मंहगी होती शिक्षा आदि के सवालों को लेकर संघर्ष तेज करेंगे।

सदस्यता अभियान में मुख्य रूप से अजय पाल, आयुष पाण्डेय, अजय पाल, दिनेश कुमार, नईम अंसारी, अतुल पाण्डेय, संदीप यादव के साथ ही फ्रन्टल संगठनों के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

विधायक सहित भाजपा नेताओं ने निकाली हर घर तिरंगा यात्राः शहीद स्थल छावनी पर दिया संदेश

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। सोमवार को हर घर तिरंगा अभियान के तहत बाइक द्वारा तिरंगा यात्रा निकाली गई। तिरंगा यात्रा हरैया डाक बंगले से प्रारंभ होकर शहीद स्थल छावनी पर समाप्त हुई जिसमें भाजपा के प्रदेश महामंत्री गोविंद नारायण शुक्ल, हरैया विधायक अजय सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र सहित हजारों की संख्या में लोग शामिल रहे।

शहीद स्थल छावनी पहुंचने के बाद प्रदेश महामंत्री, विधायक और जिलाध्यक्ष ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। भाजपा प्रदेश महामंत्री गोविन्द नारायण शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरी दुनिया में भारत का तिरंगा लहरा रहा है। तिरंगा हमारी पहचान और हम सभी भारतवासी का गौरव है। तिरंगा को देखकर हर भारतवासी के मन में राष्ट्रीयता की भावना जागृत होती है। इसी दृष्टि से भारतीय जनता पार्टी द्वारा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर घर तिरंगा अभियान चलाया जा रहा है। विधायक अजय सिंह ने कहा कि हम देशवासियों को देशप्रेम और वीर सपूतों के प्रति श्रद्धा बनाए रखने के लिए लोगों को हर घर तिरंगा लगाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान अब एक आम जनमानस में देश के उत्सव के रूप में स्थान बना चुका है।

तिरंगा यात्रा के दौरान भानु प्रकाश मिश्रा, अमृत कुमार वर्मा, युवा मोर्चा अध्यक्ष अमित गुप्ता, मण्डल अध्यक्ष हरैया, मण्डल अध्यक्ष विक्रमजोत सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासी शामिल रहे।

समायोजन की मांग को लेकर शिक्षा मित्रों ने सौंपा 7 सूत्रीय ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोमवार को आदर्श समायोजित शिक्षक, शिक्षा मित्र वेलफेयर एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष राम पराग चौधरी के नेतृत्व में शिक्षा मित्रों ने प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में शिक्षा मित्रों के समायोजन, तत्काल प्रभाव से मानदेय बढाये जाने सहित 7 सूत्रीय मांगों को पूरा किये जाने का आग्रह किया गया है। ज्ञापन में कहा गया है कि यदि मांगे न मानी गई तो प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर 5 सितम्बर शिक्षक दिवस से राजधानी लखनऊ में आयोजित अनिश्चितकालीन धरने में बस्ती के शिक्षा मित्रों की निर्णायक भागीदारी होगी। शिक्षा मित्र अपने–अपने साधनों से लखनऊ पहुंचेंगे और तब तक डटे रहेंगे जब तक कि सरकार समुचित निर्णय नहीं ले लेती।

ज्ञापन देने के बाद एसोसिएशन जिलाध्यक्ष राम पराग चौधरी ने कहा कि शिक्षा मित्रों के समक्ष करो या मरो की स्थिति है। अभी चूके तो जीवन बरबाद हो जायेगा। वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं बनकटी ब्लाक अध्यक्ष राघवेन्द्र प्रसाद उपाध्याय ने कहा कि एक लाख अड़तालीस हजार शिक्षा मित्र 23 वर्षों से निरंतर निष्ठा पूर्वक शिक्षण कार्य कर रहे है। 25 जुलाई 2017 के सुप्रीम कोर्ट निर्णय के उपरान्त शिक्षा मित्रों के समक्ष उनकी परिवार के भरण पोषण का संकट खड़ा हो गया है। इन्हीं परिस्थितियों के चलते लगभग आठ हजार शिक्षा मित्रों की आकस्मिक मृत्यु हो चुकी है। 8 वर्षों से शिक्षा मित्र निरंतर मूल भूत आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए संघर्ष कर रहे है। समस्याओं के समाधान के लिये एकजुट होकर संघर्ष करना होगा। शिक्षा मित्रों ने मांग किया कि बीमित राशि शिक्षा मित्रों को वापस किया जाय।

–शिक्षा मित्रों के समस्याओं के निस्तारण न हुआ तो 5 सितम्बर से आन्दोलन– राम पराग चौधरी

ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से शिक्षक नेता उदय शंकर शुक्ला, अभय सिंह, यादव आनंद दुबे, के साथ ही संतोष भट्ट, सूर्य प्रकाश शुक्ला, अनिल कुमार दुबे, विजय बहादुर यादव, राजेश कुमार चौधरी, लालता प्रसाद, राघवेंद्र उपाध्याय, अजय कुमार पाण्डेय, अविनाश मिश्रा, सुनील कुमार शुक्ला, बाल गोपाल शुक्ल, ईश्वर देव शुक्ला, अजय कुमार पाण्डेय, अविनाश कुमार मिश्रा, सत्येंद्र शुक्ला, लाल बहादुर चौधरी, यशवंत कुमार, किशोर कुमार चौधरी, धर्मेंद्र पाठक, सच्चिदानंद, अशोक कुमार विश्वकर्मा, अर्चना यादव, सुशील वर्मा, गीता दुबे, प्रमोद कुमार चौधरी, अजीत कुमार चौधरी, गणेश प्रसाद, पवन कुमार चौधरी, जगदीश प्रसाद चौधरी, राजकुमार गौतम, जालंधर प्रसाद, जयप्रकाश, गणेश यादव, रामधनी चौधरी, राजाराम यादव, नवीन चौधरी, रवि प्रताप सिंह, ब्रह्मदेव चौधरी, राधेश्याम पाल, अब्दुल वाहिद, कृष्ण चंद्र चौधरी, उमेश चंद्र वर्मा के साथ ही अनेक शिक्षा मित्र एवं एसोसिएशन पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मन मानस में प्रतिष्ठित हैं गोस्वामी तुलसीदास

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। तुलसी जयंती के अवसर पर प्रेस क्लब सभागार में निराला साहित्य एवं संस्कृति संस्थान द्वारा वरिष्ठ कवि डॉ. रामकृष्ण लाल 'जगमग' के संयोजन और संचालन में विचार गोष्ठी के साथ काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास ने अपनी लेखनी से धर्म, भक्ति, और आदर्श जीवन के संदेश को जन–जन तक पहुँचाया। उन्होने तुलसीदास पर केन्द्रित रचना ' उर की जड़ता दूर भगाया तुलसी ने, समरता का पाठ पढाया तुलसी ने' को श्रोताओं ने सराहा। कहा कि महान ग्रंथ श्रीरामचरितमानस के रचयिता गोस्वामी तुलसीदास ने कुल 12 ग्रंथों की रचना की। सबसे अधिक ख्याति उनके द्वारा रचित श्रीरामचरितमानस को मिली,ये उन्होंने सरल अवधि भाषा में लिखी। श्रीरामचरितमानस के बाद हनुमान चालीसा उनकी लोकप्रिय रचना है।

डा. त्रिभुवन प्रसाद मिश्र ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास ने भगवान शिव और माता पार्वती के मार्गदर्शन से अपने जीवन में सगुण रामभक्ति की धारा को ऐसा प्रवाहित किया कि वह धारा आज भी प्रवाहित हो रही है। रामभक्ति के द्वारा न केवल अपना ही जीवन कृतार्थ किया अपितु जन–जन को श्रीराम के आदर्शों से बांधने का प्रयास किया।

गोष्ठी को डी.के. मिश्र, अर्चना श्रीवास्तव, डा. सत्यव्रत, डा. ज्ञानेन्द्र द्विवेदी 'दीपक' रमाकान्त द्विवेदी, डा. सतीश चन्द्र, श्याम प्रकाश शर्मा, आदि ने कहा कि गोस्वामी गोस्वामी तुलसीदास जी का जीवन एक प्रेरणा का स्रोत है। वे हिंदी साहित्य के महान कवि और संत थे, जिनकी काव्य रचनाएँ विशेष रूप से भगवान राम के प्रति उनकी गहरी भक्ति को दर्शाती हैं। उनके श्रीराम चरित मानस की प्रतिष्ठा आस्थावनों के हृदय में है। कार्यक्रम संयोजक डॉ. रामकृष्ण लाल 'जगमग' ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास का जीवन और उनके ग्रंथ हमारे लिए सदैव प्रेरणा के स्रोत रहेंगे, और हम उनकी उपासना के माध्यम से उनके दिखाए मार्ग पर चलने की प्रेरणा प्राप्त कर सकते हैं।

अध्यक्षता करते हुये वरिष्ठ कवि डा. रामनरेश सिंह 'मंजुल' ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास ने श्रीराम चरित मानस और हनुमान चालीसा सहित अन्य ग्रन्थों के द्वारा भारतीय मनीषा पर बड़ा उपकार किया है।

विचार गोष्ठी के बाद डा. रामकृष्ण लाल 'जगमग' के संचालन में आयोजित कवि सम्मेलन में डा. ज्ञानेन्द्र द्विवेदी 'दीपक' विनोद कुमार उपाध्याय, डा. राजेन्द्र सिंह 'राही', डा. अफजल हुसेन अफजल, हरिकेश प्रजापति, अर्चना श्रीवास्तव, शबीहा खातून, जगदम्बा प्रसाद भावुक, सागर गोरखपुरी, पं. चन्द्रबली मिश्र, अजमत अली सिद्दीकी, अशरफ अली, लल्लन प्रसाद मिश्र, दीपक सिंह प्रेमी, अजीत राज आदि ने रचनाओं के माध्यम से गोस्वामी तुलसीदास को नमन् किया। संस्थान की ओर से रमाकान्त द्विवेदी को उनके शैक्षणिक योगदान के लिये सम्मानित किया गया।

–गोष्ठी में विमर्शः कवियों ने किया नमन्

–समरसता का पाठ पढाया तुलसी ने– डा. वी.के. वर्मा

जिलाधिकारी ने चार घंटे में ही समाप्त कराया भाजपा नेता चन्द्रमणि पाण्डेय 'सुदामा' का धरना

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। समाजसेवी व भाजपा नेता चन्द्रमणि पाण्डेय 'सुदामा' ने जनहित की विभिन्न मांगों पर दर्जनों ज्ञापन उपरान्त कार्यवाही न होने की दशा में सोमवार से बेमियादी धरने का ऐलान किया था । इस क्रम में सोमवार सुबह से ही वे सैकड़ों समर्थकों के साथ जिलाधिकारी कार्यालय पर धरने पर बैठकर नारेबाजी करने लगे । 'खण्ड शिक्षा अधिकारी की क्या है दवाई जिले से बाहर करें विदाई,' हम किसानों का करो उद्धार सर्किल रेट में करो सुधार,सड़क सुरक्षित कैसे होगा जब मोड़ पर हाइट बैरियर लगेगा' के नारों से कलेक्ट्रेट गूंज उठा । जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने कोर्ट की कार्यवाही छोड़कर श्री पाण्डेय से विभिन्न मुद्दों पर घंटों वार्ता किया। हाइट बैरियर लगाने व सर्किल रेट में संशोधन पर कार्यवाही

-घंटों चली वार्ता में जनहित की समस्त समस्याओं का एक सप्ताह में निराकरण का दिया आश्वासन

चल रही है एक सप्ताह के अन्दर खण्ड शिक्षा अधिकारी की गतिविधियों का भी जांच कराते हुए आपकी समस्त समस्याओं का निराकरण करा दिया जायेगा । श्री पाण्डेय ने डीएम को बताया कि बीते एक साल से हम लोगों के प्रार्थना पत्र पर कार्यवाही तो दूर उसके कृत कार्यवाही से भी अवगत नही कराया जाता।

जिलाधिकारी ने कहा कि आगे से कृत कार्यवाही की प्रतिलिपि से भी अवगत कराया जायेगा । डीएम ने कहा कि 5 विन्दुओं के समस्याओं का प्रभावी निस्तारण कराया जायेगा।

धरना देने वालों में सुदामा पाण्डेय के साथ क्षेत्र के विनोद कुमार पाठक, सन्त राम, उमेश भारती, ममता भारती, दिनेश गुप्ता, शिवकरन यादव, विनीत शुक्ल, बैजनाथ शुक्ल, दुखरन सिंह, पारसनाथ पाठक, हनुमंत प्रसाद पाठक, पवन कुमार दूबे, बजरंग प्रसाद पाठक, तुंगनाथ पाठक,नवीन तिवारी, विजय प्रताप नारायण तिवारी, गोविंद राव, रामसागर, शिवपूजन,झिनकान सहित सैकड़ों महिला पुरुष समर्थक मौजूद रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 13 अगस्त 2024 मंगलवार

सम्पादकीय

चिकित्सकों की भूमिका

गाहे–बगाहे सख्त फैसलों से नीति–नियंताओं को आईना दिखाने वाले देश के मुख्य न्यायाधीश आम आदमी के प्रति कितने गंभीर और संवेदनशील हैं, बीते शनिवार उनकी टिप्पणी से यह उजागर हुआ। चंडीगढ़ के प्रतिष्ठित चिकित्सा व शोध संस्थान पीजीआई के 37वें दीक्षांत समारोह में उन्होंने जो कहा वह पूरी चिकित्सा बिरादरी के लिये आत्ममंथन को बाध्य करता है। उन्होंने चिकित्सा के क्षेत्र में प्रवेश करने वाले युवा डॉक्टरों से कहा कि उनके लिये मरीज सिर्फ एक केस नहीं हो सकता। मरीजों को आपके स्नेह व दयालुता की उतनी ही आवश्यकता है, जितनी कि चिकित्सा पेश की आपकी विशेषज्ञता की। उन्होंने चिकित्सा के पेशे में आने वाले युवा डॉक्टरों से कहा कि वे मरीजों के साथ स्नेह का रिश्ता बनाएं ताकि वे अपना दर्द–रोग खुलकर बता सकें। उन्होंने बॉलीवुड की चर्चित फिल्म 'मुन्ना भाई एमबीबीएस' का उल्लेख इस संदर्भ में किया कि फिल्म का नायक संवेदना, सहजता व प्रेरक शब्दों के जरिये मरीजों का उपचार करता था।

इस तरह जस्टिस चंद्रचूड़ ने युवा डॉक्टरों को चिकित्सा पेशे में निहित सहानुभूति से उपचार के महत्व का अहसास कराया। उन्होंने उदाहरण स्वरूप बताया कि कैसे मुन्ना भाई बच्चों के वार्ड में बीमारी से जूझ रहे बच्चों को 'जादू की झप्पी' से भला–चंगा करने का अभिनव प्रयास करते थे। उन्होंने युवा डॉक्टरों से मरीजों के साथ संवेदनशील व अपनेपन का रिश्ता बनाने की बात कही। जिसका मनोवैज्ञानिक रूप से मरीजों के उपचार में सकारात्मक प्रभाव नजर आता है। इन तथ्यों को आधुनिक चिकित्सा विज्ञान में भी स्वीकार किया जाता है।

निश्चित रूप से मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ ने चिकित्सा बिरादरी को इस पवित्र पेशे के सनातन मूल्यों से रूबरू कराया। उन्होंने इस बात का अहसास कराया कि एक मरीज के लिये मीठे व हमदर्दी के बोल उपचार का भी काम करते हैं। इतना ही नहीं उन्होंने न्यायिक व्यवस्था के वास्तविक लक्ष्यों का भी जिक्र किया।

जस्टिस चंद्रचूड़ ने युवा डॉक्टरों से कहा कि कानून व चिकित्सकों का पेशा एक जैसा ही है। जैसे किसी वादी को न्याय देने के लिये हमें जांच रिपोर्ट और साक्ष्यों की जरूरत होती है, उसी तरह चिकित्सा के पेशे में मरीज की जांच रिपोर्ट सही उपचार में निर्णायक होती है। लेकिन इन दोनों पेशों का अंतिम मकसद जनता की सेवा ही है। दोनों व्यवसायों में आम आदमी के साथ न्याय व कल्याणकारी उपचार हेतु ही कार्य किया जाना चाहिए। यह सुखद ही है कि देश की शीर्ष अदालत के मुखिया ने बेहद सहजता व साफगोई से चिकित्सा पेशे के मर्म व पेशागत मूल्यों से नवोदित चिकित्सकों का साक्षात्कार कराया। निस्संदेह, मरीजों के प्रति संवेदनशीलता व हमदर्दी की इसी सोच के चलते डॉक्टरों को दूसरा भगवान भी कहा जाता है।

सच तो ये है कि एक डॉक्टर जटिलताओं का निदान करता है, उनका इलाज करता है, और यह सुनिश्चित करता है कि वे दोबारा अपने मरीजों को नुकसान पहुंचाने न आएं । वे बहुमूल्य मार्गदर्शन भी प्रदान करते हैं जो लोगों को लंबा और स्वस्थ जीवन जीने में मदद करता है।सफेद गाउन में डॉक्टर अक्सर मरीज का इलाज करते दिखाई पड़ते हैं, लेकिन कुछ डॉक्टर ऐसे भी हैं जो अस्पताल में रोगी का इलाज करने के साथ–साथ समाज में बदलाव के प्रयास कर रहे हैं। ये ड्यूटी के साथ गरीब बच्चों को पढ़ाने, उनके लिए सुविधाओं को विकसित करने, कैंसर से बचाने के लिए प्रेरित करने का काम कर रहे हैं। सालों से चल रहे प्रयास के कारण समाज में बदलाव भी आने लगा है। दूसरे डॉक्टर व अन्य लोग भी इनसे प्रेरणा लेकर साथ हो रहे हैं।

यह भी हकीकत है कि पीजीआई जैसे चिकित्सा संस्थानों में कई राज्यों के मरीजों के भारी दबाव का चिकित्सकों की कार्यशैली पर प्रभाव पड़ता है, लेकिन पेशागत अहसासों के चलते मरीज उनसे मधुर व हमदर्दी के व्यवहार की उम्मीद हरदम करते हैं। जिसका जस्टिस चंद्रचूड़ ने अपने संबोधन के जरिये बखूबी अहसास कराया है।

ढाका के भयावह मंजर का जिम्मेदार कौन..!

–ज्योति मल्होत्रा–

वर्ष 1974 में रोनेन सेन उस वक्त युवा थे, जब बतौर राजनयिक वे ढाका (पूर्व में डाका) में नियुक्त हुए, मुक्ति संग्राम से प्राप्त आजादी अभी नई–नई थी और जननायक एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रहरी मुजीब–उर–रहमान का शासन था। एक साल के भीतरदृ15 अगस्त की अलसुबह राजधानी के बीचोंबीच धानमोंडी स्थित घर में, सबसे छोटे बेटे 10 वर्षीय रसेल सहित पूरे परिवार को खत्म कर दिया गया (यादगार स्मारक बना दिए गये उस घर में मैं कई बार गई हूं, वहां सीढ़ियों पर खून के धुंधलाते धब्बों की याद है, जो शायद मौत से बचने के प्रयासों के दौरान परिवार के सदस्यों के होंगे, प्रतीकात्मक रूप से देखा जाए तो ये बांग्लादेश के उथल–पुथल भरे इतिहास की भी गवाही देते हैं)।

जिस प्रकार सेन वह वाक्या बयान करते हैं, जिज्ञासा जगाने वाली अपनी विशेषता के साथ, कि कैसे ढाका से दिल्ली तक, उस सुबह इंदिरा गांधी को मुजीब की हत्या की खबर पहुंचाई जा सकी थी, इसमें लगभग तमाम किस्म के परिवहन साधनों का इस्तेमाल करना पड़ा, जिसमें शायद मोटरसाइकिल भी होगी, और जब सूचना उन तक पहुंची तो उस वक्त वे लाल किले की प्राचीर से स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्र के नाम संबोधन देने के वास्ते सीढ़ियां चढ़ रही थीं। मुजीब दुनिया से जा चुके थे, साथ ही एक युवा राष्ट्र को आगे ले जाने के वादे की भी क्रूर मौत हुई। सेन कहते हैं, उस अजीब सुबह को याद करते वक्त आज भी उन पलों के अहसास से सराबोर हो जाता हूं। 49 साल पहले हुई इन जघन्य हत्याओं के पीछे कौन–सी शक्तियां थीं? और पिछले सप्ताह की क्रांति का जिम्मेवार कौन? अब जबकि हम भारत में आजादी की एक और वर्षगांठ मनाने जा रहे हैं, बांग्लादेश का परिदृश्य न केवल 1975 की खटास भरी यादों से भरा है बल्कि भावी नियति के रंगों से भी रंजित है। मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के तहत 17 सदस्यीय अंतरिम सरकार ने शपथ ग्रहण कर ली है, ऐसी खबरें हैं कि सीमाओं पर सीमा सुरक्षा बल थलीय रास्तों से भारत में प्रवेश करने वाले बांग्लादेशियों को रोक रहा है। कदाचित भाजपा दुविधा में है –क्या इन्हें आने दिया जाए, क्योंकि ज्यादा वक्त नहीं हुआ जब गृह मंत्री अमित शाह ने उन्हें 'दीमक' करार दिया था या फिर जैसा कि असम और त्रिपुरा के मुख्यमंत्री मांग करते आए हैं, बिल्कुल भी अनुमति न दी जाए। तो क्या केवल बांग्लादेशी हिंदू स्वीकार्य होंगेदृ सनद रहे सीएए कानून केवल दक्षिण एशियाई अल्पसंख्यकों पर लागू होता हैदृ या फिर भारत धर्म–निरपेक्ष आवामी लीग पार्टी के लोगों सहित तमाम बांग्लादेशियों के लिए अपने दरवाजे खोल दे। कहा जा रहा है कि ऐसे लोग हवाई अड्डे के इर्द–गिर्द इस उम्मीद में छिपे हुए हैं ताकि मौका पाते ही, तेजी से हवाई जहाज पकड़कर सुरक्षित निकल पाएं।

रोनेन सेन की तरह अहसास भरी कुछ यादों के लिए 49 साल पीछे जाने की जरूरत नहीं है। बहुतों को केवल तीन साल पहले का एक और 15 अगस्त याद होगा, जब अफगानिस्तान के तत्कालीन राष्ट्रपति अशरफ गनी अपने तीन निकटतम सहयोगियों और नोटों से भरे सूटकेसों सहित काबुल से भागे थे दृवे सहयोगी तब से पश्चिमी जगत के विभिन्न मुल्कों में रह रहे हैं और खुद अशरफ गनी अबू धाबी में मजे में दिन गुजार रहे हैं। बांग्लादेश मामले की भांति, भारत ने अफगानियों के लिए भी अपना दरवाजा मजबूती से बंद किए रखा थादृ उन्हें अभी भी अनुमति नहीं है।

शेख हसीना से समानता वहीं समाप्त होती है। उन्हें बांग्लादेश से निकलकर हिंडन वायुसेना अड्डे पर उतरे 7 दिन हो चले हैं, लेकिन अभी भी ब्रिटेन सरकार द्वारा राजनीतिक शरण दिए जाने का अनुमति संदेश पाने की बाट जोह रही हैं। शायद यूके वालों को आगे अमेरिका की हां का इंतजार हो,सबको पता है कि हसीना और अमेरिका के बीच कभी नहीं बनी और अमेरिकी–ब्रितानी सरकारों के बीच रिश्ते हर स्तर पर बहुत पक्के हैं, पूरी संभावना है कि हसीना के इस इंतजार के पीछे अमेरिकियों से मिलने वाले संदेश की देरी हो। यहां कमाल की विडंबना यह होगी कि यदि हसीना को लंदन प्रवास की इजाजत मिल जाती है तो वे बांग्लादेश के एक अन्य निर्वासित की जगह भरेंगी, जो वहां पिछले 15 सालों से अधिक समय से रह रहा है और शायद जल्द ही वतन वापसी करे दृवह है बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी यानी बीएनपी की मुखिया खालिदा जिया का बेटा तारिक रहमान, जिसे टीनो के नाम से भी जाना जाता है। खालिदा जिया खुद पूर्व प्रधानमंत्री और इससे पहले सैन्य तानाशाह रहे जनरल जिया–उर–रहमान की पत्नी हैं। एक बार जब टीनो की ढाका वापसी हुई, जिसकी उम्मीद बहुत जल्द है, तो पर्दे के पीछे शक्ति केंद्र बही होंगे।

अगले कुछ हफ्ते देखने के लिहाज से रोचक होंगे दृअवश्य ही हर किसी की नजर होगी कि मुख्य सलाहकार यूनुस और बांग्लादेश सेना के बीच रिश्ता किस ढंग का बनता है। उम्मीद है सेनाध्यक्ष जनरल वकार–उज–जमान इस महीने दिल्ली यात्रा पर आएंगे, यह जल्द से जल्द हो, इसके लिए भारत को जोर लगाना चाहिए। अब हमें पता चल चुका कि शेख हसीना के देश छोड़ने से 48 घंटे पहले, अमेरिका में बसे उनके बेटे ने उन्हें यह करने को मनाया दृशायद इस विषय में उन्होंने अपनी बहन रेहाना की सलाहों को भी खारिज कर दिया, तिस पर सैन्य अधिकारियों ने आंदोलनकारी छात्रों के हुजूम पर गोली न चलाने का फैसला लिया। बांग्लादेश में, नेताओं की बजाय जनता के प्रति वफादारी निभाने की रिवायत सेना में रही है, उसने फिर से यही किया दृ आजादी की लड़ाई में हजारों सैनिकों ने अपनी जान न्योछावर की थीदृ जबकि राजसत्ता का साथ देकर शक्ति पाने का लालच बहुत बड़ा होता है।

अब जबकि मोदी सरकार दक्षिण एशियाई मुल्कों से संबंधों का पुनर्निधारण करने की प्रक्रिया में है, इस घड़ी उस अवश्य खुद से सवाल करना चाहिए कि 'पड़ोसी सर्वप्रथम' नीति का स्वरूप वास्तव में होना क्या चाहिएदृ विशेषकर इस आशंका के मद्देनजर कि पाकिस्तान की आईएसआई अब बंगाल की खाड़ी में खुलकर अठखेलियों का आनंद लेगी। सच तो यह है कि रूस या अमेरिका या चीन से संबंधों की बनिस्वत भारतीय उपमहाद्वीप का मामला अलग है, क्योंकि पड़ोसी मुल्कों से भारत के रिश्तों की सांझ सांस्कृतिक, धार्मिक, जातीय, भाषाई स्तर पर बहुत गहरी है दृइनमें हरेक आपस में इतने गुंथे हुए हैं जिससे लगता है कि सीमा के उस तरफ का माहौल ठीक वही है जो अपने घर की दहलीज से पार है। इसलिए हरेक से निरंतर संवाद बनाए रखना नितांत जरूरी है, उनके समेत जिन्हें आप पसंद नहीं करतेदृ या खासतौर पर वे, जिन्हें आप नापसंद हैंदृ ताकि पता चलता रहे कि जो कुछ वे करते हैं, उसके पीछे क्या, कब और कौन–सी सोच है। यह भी उतना ही सच है कि भारत ने बांग्लादेश के पिछले दो आम चुनावों को लेकर अमेरिका की तीखी आलोचना के बावजूद शेख हसीना की मदद अंतिम समय तक जारी रखी। लेकिन जब स्थितियां बिगड़ने लगी तो प्रधानमंत्री मोदी या विदेश मंत्री एस जयशंकर को चाहिए था कि शेख हसीना से बात कर, उन्हें 'अपनत्व वाली सलाह' देते, जैसा कि प्रणब मुखर्जी किया करते थे। हो सकता है यदि इन्होंने हसीना का हाथ पकड़ा होता और वक्त रहते उन्हें पीछे हटने को मना लिया होता, तो वे भाग्य के इस उल्टे मोड़ को बचा लेते।

फिलहाल, भारत के सामने धानमोंडी स्थित बंगबंधु मुजीब–उर–रहमान के घर की बुझती राख से उठते धुएं को तकने का मंजर है, जहां उनकी और पूरे परिवार की नृशंसतापूर्वक हत्या कर दी गई थी। दिमाग में केवल यही विचार आता है कि 1975 में भी हत्यारों ने बंगबंधु के घर को बख्श दिया था। ऐसा नया बांग्लादेश किस काम का जो उन्हें अपने इतिहास की निशानियों को मिटाने वाला बनाना चाहता हो?

विलुप्त हो रहे भारत के पर्व और त्यौहार

-आचार्य डा. राधेश्याम द्विवेदी-

भारत त्योहारों का देश है और हर महीने कोई न कोई त्योहार पड़ता रहता है ,कुछ राष्ट्रीय पर्व है कुछ हिन्दू धर्म के सांस्कृतिक पर्व ,सभी त्योहारों को ग्रामीण महिलाएं उत्साह उमंग से मनातीं आई हैं,पर अब कुछ त्योहारों में शिक्षित महिलाओं का ध्यान कम जा रहा है। भारत एक ऐसा देश है जहाँ पूरे वर्ष बहुत ही उत्सव मनाया जाता है। हर महीने में पर्व या त्योहार आते हैं जो बहुत ही खुशी से धूम–धाम से मनाए जाते हैं। हमारे देश की अभी भी संस्कृति और धार्मिकता और राष्ट्रीयता अच्छी है। यहां कई धर्म के लोग रहते हैं जिसमे हिन्दू धर्म प्रमुख है।

हिन्दुओ का सबसे बड़ा त्योहार दीपावली है इसके अलावा मकर संक्रांति ., बसन्त पंचमी, शिवरात्रि, होली, हिन्दू नवबर्ष,चौत्र नवरात्र, श्री रामनवमी ,श्री हनुमान जयंती,गुरु पूर्णिमा, नागपंचमी, रक्षाबंधन ,श्री कृष्ण जन्माष्टमी, पितृपक्ष, आश्विन नवरात्र, दशहरा, करवा चौथ , कार्तिक पूर्णिमा, आदि प्रमुख त्योहार हैं। इसाइयों के प्रमुख त्योहार नववर्ष , गुड फ्राइडे, और क्रिसमस डे हैं । मुस्लिमों के त्योहार ईद और बकरीद हैं।

श्रावण शिव जी को समर्पित महीना है। इस माह शिवजी का जलाभिषेक किया जाता है। कांवर के रंग बिरंगे परिधान में प्रकृति पूरी तरह हरी भरी दिखती है। सावन के महीने में पुत्रियाँ ससुराल से अपने माके आती थीं। हैं। गुड्डे दृ गुड़ियों के खेल होते थे, पेडों पर झूले पड़ते थे और साथ ही सावन कजरी और झूले के गीत बड़े झूम के गाये जाते थे। पूरा का पूरा वातावरण मधुर गीतों से गुंजायमान रहता था ।

श्रावण माह में नागदेवता की पूजा बड़े विधि विधान के साथ की जाती है। बहनें भाइयों के लिए गुड़िया गांव के मैदान में फेंकने

जाती हैं। भाई गुड़िया की पिटाई डंडे से करते हैं। फिर पिट चुकी गुड़ियों को जल में प्रवाहित कर दिया जाता था। लड़किया अपने गांव के बच्चों को भीगे चने और अन्य पकवान खिलाती थी, जो अब समाप्त होने के कगार पर है।

जारीकरण ने सारी व्यवस्थाएं बदल कर रख दी है। हमारे उत्सव–त्योहार भी इससे अछूते नहीं रहे। शायद इसीलिए प्रमुख त्योहार अपनी रंगत खोते जा रहे हैं और लगता है कि त्योहार सिर्फ औपचारिकताएं निभाने के लिए मनाये जाते हैं। किसी के पास फुरसत ही नहीं है कि इन प्रमुख त्योहारों के दिन लोगों के दुख दर्द पूछ सकें। सब धन कमाने की होड़ में लगे हैं। गंदी हो चली राजनीति ने भी त्योहारों का मजा किरकिरा कर दिया है। हम सैकड़ों साल गुलाम रहे। लेकिन हमारे बुजुर्गों ने इन त्योहारों की रंगत कभी फीकी नहीं पड़ने दी। आज इस अर्थ युग में सब कुछ बदल गया है। कहते थे कि त्योहार के दिन न कोई छोटा। और न कोई बड़ा। सब बराबर। लेकिन अब रंग प्रदर्शन भर रह गये हैं और मिलन मात्र औपचारिकता। हम त्योहार के दिन भी हम अपनो से, समाज से पूरी तरह नहीं जुड़ पाते। जिससे मिठाइयों का स्वाद कसैला हो गया है। बात तो हम पूरी धरा का अंधेरा दूर करने की करते हैं, लेकिन खुद के भीतर व्याप्त अंधेरे तक को दूर नहीं कर पाते। त्योहारों पर हमारे द्वारा की जाने वाली इस रस्म अदायगी शायद यही इशारा करती है कि हमारी पुरानी पीढियों के साथ हमारे त्योहार भी विदा हो गये।

गांवों के मैदानों में मेले जैसा उत्सव रहता था। पुरुष अखाड़े और कुश्ती में जोर आजमाइश करते थे। कुश्ती और गुड़िया के कार्यक्रम के बाद बहनें अपने भाइयों को पान (ताम्बूल) खिलाती थी। हर्षोल्लास के बीच सभी अपने परिजन के साथ घर लौट आते थे। बहनें झूले झूलना शुरू करती थी, एक बार फिर सावन के गीतों से गांव झूम उठते थे।

अब हमारे यह स्थानीय पर्व धीरे– धीरे टीवी, सोशल मीडिया और आधुनिकता की चकाचौंध में गायब होते जा रहे हैं। कांवेंट के विद्यालय केवल ईसाई त्योहार को वरीयता देते हैं। भारतीय पर्व धीरे धीरे समाप्त होते जा रहे हैं। पहले छोटे उत्सवों होली दीवाली रक्षा बंधन और श्री कृष्ण जन्माष्टमी आदि पावन अवसर पर पूरा गांव इकट्ठा हो जाता था । अपनी खुशियां बाटता था। सबका साथ साथ आयोजन होता रहता था।अब नये जमाने में ऐसा कोई त्यौहार नहीं जिस पर पूरा गांव इकट्ठा हो सके। हमारी प्राचीन परंपरा विलुप्त होती जा रही है। उसका एक कारण है कि पहले त्योहार कृषि किसानी

को प्रोत्साहित करते थे, उनसे गहरा जुड़ाव था। हमारे त्योहार में जानवरों को भी महत्व दिया जाता था। लेकिन अब न किसानों का किसी को ध्यान है और न जानवरों की सुधि। बैल की जगह ट्रैक्टर ने ले ली है। गाय भी जर्सी पाली जाने लगी है। भैंस भी कोई कोई पाल ले जा रहा है। प्रायः सबकी दौड़ नौकर बनने और शहरों में बसने की हो गयी है।

शिक्षा, सोच, सुख, समाज, संस्कार और सम्बन्ध सब बदल गये हैं। शहरी सोच और सब नशायुक्त गुटका, तम्बाकू और शराब सब पर हावी है। सामुदायिकता का क्षरण हो चुका है। उत्सव, त्यौहार के मायने हमारे लिए बदल गये हैं। श्रावण, कार्तिक, मार्गशीर्ष भले नहीं पता हों पब, सिनेमा, बार, न्यूक्लियर परिवार क्रिसमस और ईद का त्यौहार हमें अलबत्ता अच्छे से याद है।

बर्थ डे अनवरसरी प्रायः हर सदस्य की मनाई जाने लगी है। टीवी मोबाइल जो कुछ परोस रहा है लोग इस तक ही सिमटते जा रहें हैं।

रोजमर्रा की भागती–दौड़ती, उलझनों से भरी हुई ऊर्जा प्रधान हो चुकी, वीरान सी बनती जा रही जिंदगी में ये त्यौहार ही व्यक्ति के लिए सुख, आनंद, हर्ष एवं उल्लास के साथ ताजगी भरे पल लाते हैं। यह मात्र हिंदू धर्म में ही नहीं वरन् विभिन्न धर्मों, संप्रदायों पर लागू होता है। वस्तुतः ये पर्व विभिन्न जन समुदायों की सामाजिक मान्यताओं, परंपराओं और पूर्व संस्कारों पर आधारित होते हैं। सभी त्यौहारों की अपनी परंपराएं, रीति –रिवाज होते हैं। ये त्यौहार मानव जीवन में करुणा, दया, सरलता, आतिथ्य सत्कार, पारस्परिक प्रेम, सद्भावना, परोपकार जैसे नैतिक गुणों का विकास कर मनुष्य को चारित्रिक एवं भावनात्मक बल प्रदान करते हैं। ₹

इन त्योहारों के मौसम में मेरा युवा पीढ़ी से यही निवेदन है कि हम अपनी भारतीय संस्कृति को बरकरार रखें। अपने त्योहार उसके महत्व को भी समझे। जहां तक सम्भव हो, आप कहीं भी हो, कितने भी व्यस्त हो, लेकिन त्योहार पूरा परिवार एक साथ मनाए। इससे बहुत बड़ा असर हमारी आने वाली पीढ़ी पर पड़ेगा और परिवार भी, रिश्ते भी टूटने से बचेंगे।साथ ही हमारी लुप्त होती कलाएं, संस्कृति , छोटे– छोटे त्योहार सब जीवित रहेंगे। हमारे बुजुर्ग जो ज्यादातर गांव में, या बच्चों के विदेश में रहने के कारण, अकेले भी रहते है, आपको सपरिवार देखने से,त्योहार मनाने से, कुछ दिन एक साथ बिताने से खुश हो जाएंगे और उनकी उम्र भी बढ़ जाएगी। भारतीय संस्कृति के गौरव एवं पहचान ये पर्व, त्यौहार सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक दृष्टि से अति महत्वपूर्ण हैं।

अल्पसंख्यक हिन्दुओं की सुरक्षा के प्रश्न

– दीपक कुमार त्यागी–

बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हमलों के विरोध में हाल ही में राजधानी ढाका, चटगांव, कुरीग्राम, ठाकुरगांव, छत्रग्राम, दिनाजपुर, बरिशाल, मेमेनसिंघ, तंगेल, नीलाफामारी आदि शहरों में लाखों की संख्या में हिन्दुओं ने विरोध प्रदर्शन करके सरकार से तत्काल कट्टरपंथियों के हमलों को रोकने की मांग करते हुए, नुकसान की भरपाई की मांग करते हुए, दंगाईयों को चिन्हित करके उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करने की मांग करते हुए, पूरे विश्व समुदाय का ध्यान बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार के मसले पर आकर्षित करने का कार्य किया है। वैसे भी बांग्लादेश में हिंसा व तनाव के चलते ही म्यांमार की सीमा पर शरण लेने की उम्मीद से खड़े बांग्लादेशी लोगों के साथ घटित हुई बेहद हृदयविदारक घटना को अभी हाल ही में पूरी दुनिया के लोगों ने देखा है। वहीं भारत की बांग्लादेश से सटी सीमाओं पर भी इसी तरह से लाखों की संख्या में जगह–जगह बांग्लादेशी हिन्दू भारत में शरण लेने की उम्मीद से निरंतर खड़े हुए हैं। वहीं भारत में धर्मनिरपेक्षता के तथाकथित ठेकेदार अभी तक भी इस ज्वलंत मसले पर कुंभकर्णी नींद में सोए हुए हैं, जबकि इनमें से बहुत सारे लोग मानवाधिकार के नाम पर पाकिस्तान, अफगानिस्तान, ईरान, इराक, फिलिस्तीन, लिबिया, गाजा पट्टी आदि तक के आतंकियों के हक में भी खुलेआम भारत की सड़कों पर उतर करके हंगामा बरपाने से बाज नहीं आते। लेकिन आज बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचारों पर यह लोग चुपचाप तमाशबीन बनकर बैठे हुए हैं, अब इन लोगों को बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिन्दुओं का दर्द, इंसानियत का सरेआम होता कत्लेआम व मानवाधिकारों का उल्लघंन होते हुए नजर नहीं आ रहा है।

बांग्लादेश में आरक्षण को पूरी तरह से समाप्त करने की मांग को लेकर के कुछ माह से छात्रों के द्वारा सड़कों पर जबरदस्त हंगामा बरपाया हुआ था। जिस हिंसक हंगामें की आड़ में ही बांग्लादेश में जनवरी 2024 में प्रचंड बहुमत से सरकार बनाने वाली शेख हसीना सरकार का 5 अगस्त 2024 को तख्तापलट करके उन्हें सत्ता से बेदखल कर दिया गया। वहां के हालात को देखकर लगता है कि आरक्षण का मुद्दा तो बस एक बहाना था, असली मकसद तो कट्टरपंथियों का शेख हसीना को सत्ता से हटाकर के बिना चुनाव जीते सरकार पर कब्जा जमाना था, जिस मकसद में वह सफल भी हुए हैं। इसलिए प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार का तख्तापलट करने के लिए ही कट्टपंथी षड्यंत्रकारियों के द्वारा पूरे बांग्लादेश को हिंसा की आग में झोंक कर आम लोगों का कत्लेआम करवा दिया गया। हिंसा का आलम यह था कि खुद प्रधानमंत्री शेख हसीना को भी अपनी जान बचाने के लाले पड़ गए थे, वह भी जैसे–तैसे करके बांग्लादेश को छोड़कर के भारत सुरक्षित पहुंच पाई हैं। लेकिन शेख हसीना के विरोध के नाम पर चल रहे इस पूरे हिंसक आंदोलन को हसीना को सत्ता से बेदखल करने के बाद तो पूरी तरह से शांत हो जाना चाहिए था, लेकिन उसके बावजूद आज भी बांग्लादेश में हिंसा व हंगामें का जबरदस्त दौर जारी है, वहां पर कट्टरपंथी दंगाईयों के दबाव व भय में सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश तक को भी अपना पद छोड़ना पड़ा है। इस परिस्थिति में 17 करोड़ की आबादी वाले मुस्लिम बाहुल्य बांग्लादेश में हिन्दुओं की आबादी तकरीबन आठ प्रतिशत 1.35 करोड़ के लगभग हैं, वहीं इस अल्पसंख्यक हिन्दू आबादी को परंपरागत रूप से शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग का कट्टर समर्थक माना जाता है।

इंडेन गैस के डिलीवरी ब्वॉय ने फांसी लगाकर की खुदकुशी, चोरी का आरोप लगने से था आहत

संवाददाता–गोण्डा। परसपुर नगर पंचायत के राजाटोला साईं तकिया के रहने वाले एक युवक ने अपने घर के एक कमरे में दुपट्टे के सहारे छत के हुक से रविवार देर रात फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से दरवाजा तोड़कर शव को बाहर निकाला। युवक इंडेन गैस एजेंसी पर डिलीवरी–ब्वॉय था। परिजनों का आरोप है कि गैस एजेंसी के प्रबंधक ने उनके बेटे पर रिफिल चोरी का आरोप लगाया था जिससे आहत होकर उसने मौत को गले लगाया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मोहल्ला निवासी दयालु बारी ने बताया कि उनका बेटा आनंद बारी (24) परसपुर में इंडेन गैस एजेंसी पर डिलीवरी ब्वॉय का काम करता था। वह रविवार को सिलिंडर की डिलिवरी करने के बाद घर लौटा और पत्नी पूनम को अपने कमरे से भगा दिया तो वह सास सुमन के कमरे में सोने चली गई। देर रात बेटे ने कमरे में छत के हुक से दुपट्टे के सहारे फंदे से लटककर जान दे दी।

सोमवार की सुबह जब देर तक सोकर नहीं उठा तो कमरे का दरवाजा खटखटाया गया। मगर कोई जवाब नहीं मिला तो कमरे की दीवार की एक ईंट निकालकर अंदर देखा तो बेटे का शव फंदे से लटक रहा था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़वाया। इसके बाद शव बाहर निकाला गया। दयालु के मुताबिक उनका बेटा चार दिन पूर्व सिलिंडर की डिलिवरी करने गलिबहा गांव के एक व्यापारी के घर गया था। जहां उसने दो सिलिंडर पहुंचाया था। मगर उपभोक्ता ने गैस एजेंसी पर शिकायत दर्ज कराई कि, उन्हें एक ही रिफिल मिली है, जबकि दूसरा सिलिंडर खाली आया है। इसी बात को लेकर गैस एजेंसी प्रबंधक ने उनके बेटे को पिटाई करने की धमकी भी दी थी। बाद में गैस एजेंसी के प्रबंधक ने उपभोक्ता के घर पहुंचकर जांच की तो दोनों सिलिंडर भरे मिले जिस पर उपभोक्ता ने गलती भी स्वीकार कर ली थी। चोरी के आरोप से आहत होकर उनके बेटे ने खुदकुशी कर ली।

थानाध्यक्ष दिनेश सिंह ने बताया कि गैस एजेंसी संचालक पर परिजनों ने आरोप लगाया है, आनंद का पत्नी से भी विवाद हुआ था। आनंद के मोबाइल में कुछ रिकार्ड मिले हैं, मोबाइल फोन खंगाला जा रहा है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पूरे मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद कार्रवाई होगी। उधर गैस एजेंसी के प्रबंधक प्रवीण सिंह का कहना है कि आनंद ने दो सिलिंडर गलिबहा गांव के एक व्यापारी को चार दिन पहले डिलिवरी किया था। व्यापारी ने शिकायत दर्ज कराई थी। मगर मौके पर जांच के दौरान दोनों सिलिंडर भरे पाए गए। मामला निपट गया था, आनंद ने रविवार को काम भी किया था। पिटाई का आरोप निराधार है। दयालु ने बताया कि उनके तीन बेटों में आनंद सबसे बड़ा था। मझला बेटा मनोज लखनऊ में रहकर नौकरी करता है जबकि बेटा करने अभी पढ़ाई कर रहा है। आनंद की चार साल पूर्व पूनम से शादी हुई थी। बताया कि आनंद ने पिछले दो दिनों से खाना नहीं खाया था और मानसिक तनाव में रहता था।

कार्य बहिष्कार कर आशाओं ने अपनी मांगों को लेकर भरी हुंकार

संवाददाता–महराजगंज। प्रोत्साहन राशन, 10 लाख का बीमा व मृतक आश्रितों को नौकरी सहित अपनी अन्य मांगों को लेकर सोमवार को आशा कार्यकर्तियों एवं संगिनियों ने कार्य बहिष्कार कर अपनी आवाज बुलंद की। मुख्यालय पर धरना–प्रदर्शन कर अपनी मांगों का ज्ञापन प्रशासन के जरिए मुख्यमंत्री को भेजा।

धरनास्थल पर वक्ताओं ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की सभी योजनाओं को जन–जन तक पहुचाने में कार्यकर्तियों व संगिनियों का विशेष योगदान रहता है। आशाओं के प्रयास से ही कोरोना जैसी महामारी पर विजय हासिल हुई। प्रधानमंत्री मातृत्व वंदन योजना को लाभार्थियों तक पहुंचाने में विशेष योगदान रहता है। पीएमवीवाई लाभार्थियों का फार्म भरवाने पर पहले आशा कार्यकत्री को प्रोत्साहन राशि 100 रुपया मिलता था। अब प्रोत्साहन राशि 250 रुपया होने पर फार्म भरने की जिम्मेदारी आंगनबाड़ियों को दे दिया गया जो आशाओं के साथ सौतेला व्यवहार है। आशा कार्यकत्रीआशा संगिनी और लामाथी का भुगतान भी पिछले दो वर्षों से लंबित है। मुख्यमंत्री को भेजे गए ज्ञापन में आशाओं ने पीएमवीवाई की पिछले दो साल की बकाया प्रोत्साहन राशि का जल्द भुगतान करने। प्रोत्साहन राशि 250 रुपये होने पर आंगनबाड़ी को फार्म भरने की जिम्मेदारी वापस कराना, आशा कार्यकत्रीआशा संगिनी को राज्य कर्मचारी का दर्जा और एक निश्चित मानदेय 18000 रुपया प्रतिमाह देने की मांग की गई है। इसके अलावा आशाओं को दुर्घटना बीमा 10 लाख करने के साथ बीमा प्रमाण पत्र देने, आशा कार्यकत्रीआशा संगिनी की मृत्यु के बाद आश्रितों को नौकरी देने की मांग की गई। इस दौरान जिलाध्यक्ष जगीरून निशा, निर्मला देवी, बबिता विश्वास, संध्या, संजू, मीना, पूनम, मीरा, निर्मला पाल, गीता, नीलम, विनीता शर्मा, रेखा यादव, कंचन लता, ममता, राजेश्वरी, फूलकुमारी, अनीता, ऊषा, रीता, संगीता, प्रतिभा, कुसुम , मेवाती, रीता, कालिंदी, मंजू, सरिता, सोना, सुनीता, चंद्रावती, जगवंता आदि आशाएं मौजूद रहीं।

हजारों कांवड़ियों ने किया बउरहवा बाबा का जलाभिषेक

संवाददाता–महराजगंज। श्रावण मास के चौथे सोमवार को त्रिवेणी धाम से जल भरकर सिसवा पहुंचे कांवड़ियों की भीड़ भोर से ही बउरहवा बाबा मंदिर पर उमड़ पड़ी। हजारों की संख्या में कांवड़ियों ने अपराह्न तक बाबा का जलाभिषेक कर मनोवांछित फल की कामना की। सिसवा कस्बा सहित आस–पास के ग्रामीण क्षेत्रों व बिहार से कांवड़िए त्रिवेणी धाम नेपाल से जल भरकर रविवार को डीजे, ढोल नगाड़े के साथ पैदल नाचते गाते सिसवा कस्बे में पहुंचे। शाम को वनसप्ति माता स्थान, श्रीरामजानकी मंदिर, संस्कृत पाठशाला, जायसवाल नगर शिव मंदिर सहित लगभग आधा दर्जन जगहों पर कांवड़ियों ने भोजन व रात्रि विश्राम किया। भजनों के बीच रात में बारह बजे के बाद से बउरहवा बाबा मंदिर पहुंचने के लिए कांवड़ियों ने पैदल यात्रा शुरू कर दिया। भोर में चार बजे से मंदिर का पट खुलते ही भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। प्रशासन द्वारा की गई बैरिकेटिंग व कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच महिला, पुरुष कांवड़ियों ने बाबा का जलाभिषेक किया। इस दौरान मंदिर परिसर बोल बम के जयकारों से गूंज उठा। मंदिर में सुरक्षा व्यवस्था के लिहाज से एसओ कोठीभार अखिलेश सिंह, सिसवा चौकी प्रभारी बृजभान यादव सहित कोठीभार व जिले के लगभग आधा दर्जन थानों की मांग की गई। इस दौरान जिलाध्यक्ष जगीरून निशा, निर्मला देवी, बबिता विश्वास, संध्या, संजू, मीना, पूनम, मीरा, निर्मला पाल, गीता, नीलम, विनीता शर्मा, रेखा यादव, कंचन लता, ममता, राजेश्वरी, फूलकुमारी, अनीता, ऊषा, रीता, संगीता, प्रतिभा, कुसुम , मेवाती, रीता, कालिंदी, मंजू, सरिता, सोना, सुनीता, चंद्रावती, जगवंता आदि आशाएं मौजूद रहीं।

पारंपरिक सौ वर्ष पुराने चांदी के झूले पर विराजमान हुए सरकार

–भारातीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। प्रसिद्ध पीठ राजगोपाल मंदिर में महंत सीताराम शरण महाराज के संयोजन में झूलन महोत्सव बड़े ही आनंद के साथ चल रहा है जिसका शुभारंभ सावन शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि थे हो गया है और यह पूर्णिमा तक चलेगा। मंदिर के पूर्वाचार्य महंत परम तपस्वी स्वामी कौशल किशोर फलाहारी जी महाराज बताया करते थे की श्री राजगोपाल मंदिर के झूलन का इतिहास सदियों पुराना है लेकिन वर्तमान में जो विशाल झूला है वह 100 साल पुराना है। ये झूला 2 क्विंटल चांदी से बना है। 15 फिट ऊंचे झूले पर भगवान श्रीराम और माता सीता विराजमान हैं। मंदिर में रोज शाम 6 बजे से देर रात तक झूलनोत्सव चल रहा है।इसमें आश्रम के छात्र और कलाकार कजरी गाते हैं। कजरी गायन की एक विधा है। मंदिर के व्यवस्थापक अधिकारी सर्वेश्वर दास शरद महराज ने बताया यह झूला झूले 1923 में बनवाया गया था। उस वक्त चांदी का इतना भव्य झूला पूरी अयोध्या में नहीं था। उन्होंने बताया कि कजरी गायन की भी एक विधा है जैसे झुलाओ रे सजनी धीरे–धीरे... महराज जी ने बताया कि मंदिर में सायंकाल ठाकुरजी के भोग, आरती–पूजन बाद झूलन सरकार की दिव्य झूलन झांकी सजाई जा रही है। जिसका सिलसिला देरराति तक चलता है। युगल सरकार के झूलन झांकी का दर्शन कर साधु–संत, भक्तजन अपना जीवन सार्थक बना रहे हैं। कलाकारो द्वारा आई तीज सुहावन प्यारी, सिया जू पहिरिन लहरिया सारी३ जैसे आदि अनेकानेक झूलन के पद्य गाकर भावविभोर हो रहे हैं। झूलन के पद्य सुनकर उपस्थित साधु–संत से लेकर भक्तगण मंत्रमुग्ध हो गए। आए हुए सभी कलाकारों का स्वागत सत्कार किया गया और प्रसाद भी दिया गया।

सड़क हादसे में तीन श्रद्धालुओं समेत चार घायल

संवाददाता–श्रावस्ती। दो अलग अलग सड़क हादसों में तीन श्रद्धालुओं समेत चार लोग गंभीररूप से घायल हो गए। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से हालत गंभीर देखते हुए दो घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। इकौना थाना क्षेत्र के पतेढ़ा मझौवा निवासी मिंटू (17) पुत्र सिपाही लाल, राज कुमार (26) पुत्र जय जयराम व राजेश पाल (15) पुत्र राम समुझ पाल समेत एक दर्जन लोग टेम्पू में सवार होकर सोमवार सुबह गोण्डा जिले के पृथ्वीनाथ मंदिर पर जलाभिषेक करने गए थे। सभी जलाभिषेक कर टेम्पू से ही वापस लौट रहे थे। इकौना थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे 730 पर स्थित वीरपुर मोड़ के पास पहुंचते ही सामने से आ रही पिकप ने टेम्पू को टक्कर मार दी। हादसे में मिन्टू, राज कुमार व राजेश पाल गंभीररूप से घायल हो गए। लोगों की ओर से एम्बुलेंस को सूचना दी गई। घटनास्थल पर पहुंची एम्बुलेंस से तीनों घायलों को सीएचसी इकौना में भर्ती कराया गया। जहां राजेश पाल की हालत गंभीर देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल बहराइच रेफर कर दिया गया। वहीं दूसरी घटना सोनवा थाना क्षेत्र के लक्ष्मननगर के पास हुई। लक्ष्मननगर निवासी सुजीत कुमार गुप्ता (30) पुत्र शिव नारायण गुप्ता रविवार को देर रात बाइक से घर लौट रहा था। इस दौरान बाइक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे खड़े डम्फर में जा घुसी। हादसे में सुजीत गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे जिला अस्पताल बहराइच में भर्ती कराया गया। जहां उसका इलाज चल रहा है।

गांव में घुस तेन्दुए ने बछड़े को बनाया निवाला

संवाददाता–श्रावस्ती। सोहेलवा जंगल से सटे बालू गांव में रविवार रात अहाते में बंधे एक बछड़े को जबड़े में भरकर उठा ले गया। बछड़े के चीखने की आवाज सुन ग्रामीणों ने हांका लगाते हुए पीछा किया। इस पर गांव के बाहर ले जाकर तेन्दुए ने बछड़े को मार डाला और आधा हिस्सा खा कर जंगल की ओर भाग गया। सिरसिया थाना क्षेत्र का बालू गांव पूर्वी सोहेलवा जंगल से सटा बसा हुआ है। रविवार रात गांव के लोग भोजन करने के बाद अपने अपने घरों में सो रहे थे। गांव निवासी कामेश्वर यादव पुत्र अशर्फी लाल का बछड़ा उसके घर के बगल बने अहाते में बंधा था। रात में सोहेलवा जंगल से निकल कर एक तेन्दुवा बालू गांव में पहुंच गया। तेन्दुवा कामेश्वर के अहाते में पहुंचा वहां बंधे बछड़े को जबड़े में भरकर ले जाने लगा। इस दौरान बछड़े के चीखने की आवाज सुनकर कामेश्वर की आंख खुल गई और वह शोर मचाने लगा। शोर सुनकर ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए और हांका लगाते हुए लाठी, डंडा व टार्च के साथ तेन्दुए का पीछा किया। गांव से कुछ ही दूरी पर पहुंचते ही तेन्दुवा ने बछड़े का गला काट दिया और उसे नोचकर खाने लगा। हांका लगाते हुए लोग चारो ओर टार्च की रोशनी में उसे तलाशते हुए मौके पर पहुंचे तो तेन्दुवा बछड़े को छोड़ कर जंगल की ओर भग गया। लोगों ने पाया कि तेन्दुए ने बछड़े के शरीर का आधा हिस्सा लिया था और उसकी मौत हो चुकी थी। जंगल से सटे गांवों में हमेशा तेन्दुए की दहशत बनी रहती है। आठ दिन पहले बालू गांव निवासी ननकू पुत्र खेलावन अपने गाय को चराने गया था। साथ में अन्य चरवाहे भी थे। जंगल के पास ही गाय चारा खा रही थी। उस दौरान जंगल से निकल कर एक तेन्दुए ने गाय पर हमला कर दिया। घटना देख राम खेलावन समेत अन्य चरवाहे शोर मचाते हुए दौड़ पड़े। लेकिन तब तक तेन्दुए ने गाय का गला काट दिया। लोगों को आता देख तेदुवा गांय को छोड़ कर जंगल की ओर भाग गया था। मौके पर पहुंचे लोगों को गाय मृत अवस्था में मिली थी। लोगों का कहना है कि आए दिन जंगल से निकलकर तेन्दुवा गांव में पहुंच जाता है। बीते कई सालों से यह सिलसिला चल रहा है। लेकिन वन विभाग की ओर से सुरक्षा को लेकर कोई इंतजाम नहीं किए जा रहे हैं।

रामचरित मानस ने जीव के कल्याण का नया मार्ग प्रशस्त किया –आचार्य राधेश्याम शास्त्री

–भारातीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। वर्तमान समय में जिस रामचरितमानस को पढ़कर सुनकर और समझ कर हम लोग अपने को ढालने का प्रयास करते हैं और सोचते हैं कि अगर रामचरितमानस के एक दोहे का अर्थ समझकर अपने जीवन में पालन कर लेंगे तो जीवन जीने की शैली निश्चित ही उच्च कोर्ट की हो जाएगी आज उसी रामचरितमानस के रचयिता प्रभु श्री राम के अनन्य भक्त महाकवि तुलसीदास के जन्म जयंती पर श्री राम कथा और श्रीमद् भागवत कथा से समाज को नई दिशा देने वाले आचार्य राधेश्याम शास्त्री जी महाराज ने अपनी आवाज पर जन्म जयंती मनाते हुए प्रकाश डालते हुए बताया कि गोस्वामी नाभा जी अपने दोहे के माध्यम से बताया किध् कलि कुटिल जीव निस्तार हित बाल्मीक;तुलसी भये" कलयुग में जब कुटिलता बढ़ गई थी ऐसे में बाल्मिक जी के अवतार के रूप में तुलसी जी का अवतार हुआ जिन्हों ने रामचरितमानस से जीव के कल्याण का नया मार्ग दिया आज रामचरितमानस को अपने जीवन में ढाल कर लोग सुख में जीवन व्यतीत कर रहे हैं ध् उन्होंने बताया कि श्री कृष्ण द्वैपायन वेदव्यासजी ने अपने उसी जन्म में ही महाभारत की रचना के बाद तदुत्पन्न का परिमार्जन श्रीमद्भागवत की रचना करके कर लिया था,तो महर्षि बाल्मीकि ने भी तुलसी दास के रूप में जन्म लेकर अपनी पुरानी धारणा को संशोधित किया।बाल्मीकि रामायण में भी महाभारत की तरह ही ऐतिहासिक दृष्टि की प्रधानता थी इसके स्थान पर रामचरितमानस भावनात्मक दृष्टि को साकार रूप प्रदान करता है।

श्री महाराज जी ने बताया कि महाभारत भारतीय इतिहास की सर्वोत्कृष्ट कृति है,किन्तु उस रचना के बाद भी व्यास का हृदय असंतुष्ट था।सरस्वती नदी के तट पर व्यास बिराजमान थे।उसी समय देवर्षि नारद का शुभागमन हुआ।नारद ने व्यास जी से एक प्रश्न किया,महाभाग!आपके शरीर

एवं मन दोनों अपने कर्म एवं चिंतन से संतुष्ट हैं न?आपकी जिज्ञासा तो भलीभाँति पूर्ण हो गयी होगी।क्योंकि आपकी महाभारत धर्म आदि सभी पुरुषार्थों से पूर्ण है।सनातन ब्रह्म तत्व को भी आपने खूब बिचारा है,जान लिया है,फिर भी आप अकृतार्थ पुरुष की तरह शोक क्यों कर रहे हैं? व्यास ने कहा,आपने मेरे विषय में जो कुछ कहा है,वह सब ठीक ही है।मेरा हृदय संतुष्ट नहीं है।पता नहीं उसका क्या कारण है?आप का ज्ञान अगाध है।आप ब्रह्मा के मानस पुत्र हैं, इसलिए आपसे ही इसका कारण पूछता हूं।नारद और ब्यास के वार्तालाप को केवल दो ब्यक्तियोंके संबाद के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।ब्यास सच्चे इतिहासकार हैं।इतिहासकार में जिस निष्पक्षता की अपेक्षा होती है,उसका जैसा दर्शन ब्यास के चरित्र में होताहै,उसकी तुलना विश्व के किसी इतिहासकार से की ही नहीं जा सकती।

अंत में श्री महाराज जी ने बताया कि नारद का ब्यास के प्रति यही ब्यंग्य था कि तुमने महाभारत जैसे विशाल इतिहास की श्रृष्टि करके समाज को क्या देना चाहा है?देवर्षि का उद्देश्य महाभारत के ज्ञान और दर्शन की अवहेलना करना नहीं था।किन्तु महाभारत के जातीय युद्ध की गाथा और ब्यक्तियों के इतिहास को लेकर वे प्रश्न चिह्न अवश्य प्रस्तुत करते हैं।तुलसीदास ने भी इस पर कटाक्ष किया,"मैं चाहता हूँ, लोग रामायण की शिक्षा का अनुगमन करें,किन्तु समाज तो महाभारत का अनुकरण कर रहा है।मुझ जैसे दुष्ट की कौन सुने?कलियुग का स्वभाव ही कुचाल से प्रेम करना है।रामायण सिख अनुहरत,जग भयो भारत रीति।तुलसी सठ की को सुनै,कलि कुचाल पर प्रीति चरित्र। श्री महाराज जी ने कहा कि महापुरुग की रचना ग्रंथों की रचना बहुत हुई हैं लेकिन रामचरितमानस जन भावनाओं की रचना है और इस घोर कलयुग में निश्चित ही लोगों के अंदर परिवर्तन लाने का कार्यकर ररहा है।

अवैध संबंधों के फेर में गई युवक की जान, तीन गिरफ्तार

संवाददाता–गोण्डा। अवैध संबंधों की जानकारी होने पर दंपति समेत तीन लोगों ने मिलकर युवक को शराब पिलाकर उसकी गला घोंटकर हत्या की थी। इसके बाद आरोपी मौके से भाग निकले थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला दबाकर हत्या करने की पुष्टि हुई है। सोमवार को एएसपी पूर्वी मनोज कुमार रावत ने घटना का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि पति–पत्नी व दोस्त को गिरफ्तार कर कोर्ट के समक्ष पेश किया। कोर्ट ने तीनों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। धगनेपुर थाना क्षेत्र के विशम्भरपुर के राधेश्याम पासवान ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनका बेटा जितेंद्र पासवान (30) नागपंचमी त्योहार पर घरेलू समान लाने के लिए बीते 8 अगस्त को दोपहर करीब तीन बजे घर से साइकिल से निकला था लेकिन रात तक घर नहीं लौटा। उसकी तलाश शुरू की लेकिन कहीं पता नहीं। पड़ोस में पूछने पर उसके चाचा राम मनोहर व भाई धनीराम ने बताया कि मैंने देरशाम जितेन्द्र को धानेपुर बाजार से विशंभरपुर रोड पर टावर के पास शोभारान मौर्य निवासी चकिया खवाजा जोत, कौशल चौहान, पुष्पा चौहान व जनकराम निवासीगण धौरहरा विशंभरपुर व एक अन्य व्यक्ति के साथ देखा था। बीते शुक्रवार को पुलिस ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर युवती की तलाश में जुटी थी। शनिवार की देर शाम युवक का शव धानेपुर कस्बे के कल्याणनगर मोहल्ले के बुल्का माई थान के पास कमलेश के बाग में क्षत–विक्षत अवस्था में मिला। माना जा रहा है कि शव को किसी जानवर ने भी अपना निवाला बना लिया था। कपड़ों से परिजनों ने जितेन्द्र की पहचान की थी।

एएसपी पूर्वी मनोज कुमार रावत ने जिला मुख्यालय पर बताया कि अभियुक्तों से पूछताछ में पता चला कि शोभारान मौर्य व कौशल चौहान आपस में दोस्त हैं। शोभारान का कौशल चौहान की पत्नी पुष्पा चौहान से अवैध संबंध था। इसकी जानकारी मृतक जितेन्द्र पासवान को हो गई थी। वह अक्सर शोभारान मौर्य पर टिप्पणी किया करता था, साथ ही कौशल चौहान के घर भी आने जाने लगा था। यह बात शोभारान मौर्य को नागवार गुजर रही थी। इससे क्षुब्ध होकर शोभारान व पुष्पा ने जितेन्द्र के घर आने–जाने को लेकर कौशल चौहान को भड़काया। इसको लेकर जितेन्द्र को रास्ते से हटाने की योजना भी बनाने लगे। आठ अगस्त 24 को जब जितेन्द्र बाजार आया तो आरोपियों ने योजनाबद्ध तरीके से उसे बाग में ले जाकर पहले खूब शराब पिलाई। इसके बाद गला घोंटकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने सोमवार को शोभारान मौर्य, कौशल चौहान व उसकी पत्नी पुष्पा देवी को माधवगंज मोड़ के पास दबोच लिया है। साथ ही मृतक की साइकिल को बरामद कर लिया गया है। गिरफ्तारी टीम में थानाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह ,उपनिरीक्षक राजेश कन्नौजिया व नागेश्वर नाथ पटेल, हेड कांस्टेबल आनंद प्रकाश यादव, फहीमुद्दीन खान, अमरीश मिश्रा व धर्मेंद्र यादव ,महिला कांस्टेबल सुशीला देवी व नितांशी शुक्ला शामिल रही।

स्वतंत्रता सेनानी को अर्पित की श्रद्धांजलि

संवाददाता–गोण्डा। आजादी के महापर्व स्वतंत्रता दिवस अवसर पर प्रधानमंत्री के आह्वान पर हर–घर तिरंगा अभियान एवं महापुरुषों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के क्रम में विधायक ने शहीद को श्रद्धा सुमन अर्पित किया। सोमवार को विधायक प्रभात कुमार वर्मा ग्राम पंचायत खजूरी अमर शहीद बाबू द्वारिका सिंह के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनकी पुण्य स्मृतियों को नमन किया। क्षेत्रवासियों से आजादी के महान क्रान्तिकारियों के संघर्षों पर चर्चा किया।उन्होंने कहा कि देश की आजादी में खजुरी गांव का अहम भूमिका रही है। यहां के रणबांकुरों ने अपने प्राणों की आहुति दे कर भारत मां को आजाद कराया।

हर हर बम-बम से गूंजे शिवालय, श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

संवाददाता–बलरामपुर। सावन मास के चौथे सोमवार को जिले के विभिन्न शिव मंदिरों में जलभिषेक के लिए भक्तों की भारी भीड़ रही। भोर से ही श्रद्धालु देवाधिदेव महादेव को जलाभिषेक करने के लिए मंदिर परिसरों में कतारबद्ध खड़े हो गए। लोगों ने परम्परागत तरीके से बेलपत्र, भांग, धतूर, अक्षत, दूध, शहद आदि का जलाभिषेक कर भगवान शिव का विधिवत पूजन अर्चन किया। शिव मंदिरों में रुद्राभिषेक कराने वाले श्रद्धालुओं की संख्या अधिक रही। नगर के झारखंडी महादेव मंदिर व पचपेड़वा के शिवगढ़ धाम तथा उतरौला के ऐतिहासिक दुःखहरन नाथ मंदिर में सोमवार को भोर से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। सावन के चौथे सोमवार को विभिन्न शिव मंदिरों पर हर हर महादेव का जयकारा लगाते हुए कांवड़ियों का जत्था पहुंचा। पूरा वातावरण भक्तिमय रहा।

बलरामपुर जिले में शिव मंदिरों की संख्या अधिक होने के कारण इसे छोटी काशी के नाम से भी जाना जाता है। यहां झारखंडी, शिवगढ़ ध्ाम, रेणुकानाथ, दुःखहरन नाथ, जंगली नाथ आदि प्रसिद्ध शिव मंदिर है। महा शिवरात्रि, कजरीतीज व श्रावण मास के सोमवार को शिव मंदिरों में भारी संख्या में श्रद्धालु जलाभिषेक करने जाते हैं। श्रावण मास के चौथे सोमवार को भोर से ही शिव मंदिरों पर श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी। लोग कतारबद्ध खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करते दिखे।

साजो सकल श्रृंगार नैना सारो कजरा रे हारी

–भारातीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। सखी झूलन पधारो झुकी आए बदरा,झुक आये बदरा झुकी आये बदरा,घिर आये बदरा,साजो सकल श्रृंगार नैना सारो कजरा जैसे मधुर पदों से गुंजायमान हो रही है अयोध्या और गुरुवार से अयोध्या के सभी मंदिरों में झूलनोत्सव प्रारंभ हो जाएगा जो रक्षाबंधन पूर्णिमा तक चलेगा। अयोध्या के सिद्ध पीठ श्री राघवेंद्र भवन कानीगंज में रसिका परंपरा के अनुसार पूर्णिमा को ही झूलनोत्सव प्रारंभ हो गया और प्रतिदिन देश के अलग–अलग होने से कलाकार आकर के अपनी कलाओं से लोगों को आकर्षित कर रहे हैं और पूरा मंदिर परिसर भक्तों में वातावरण से गूंज रहा है। मंदिर के महंत शिवराम शरण जी महाराज ने बताया कि रसिक परंपरा के अनुसार हमारे राघवेंद्र भवन में गुरु पूर्णिमा को झूला उत्सव प्रारंभ हो गया और इस समय अयोध्या में झूलनोत्सव की त्रिवेणी संगम की अनुपम छटा पूरे अयोध्या में बिखर रही है। उन्होंने बताया कि श्रावण शुक्ल पक्ष एकादशी तिथि तक झूला महोत्सव शाम 4 बजे से 6 बजे तक होता है और एकादशी से पूर्णिया तक सुबह झूला महोत्सव मनाया जाता है।

श्री महाराज जी ने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के बाद अयोध्या में इस वर्ष पहली बार झूलन महोत्सव मनाया जा रहा है जिसमें आनंद ही आनंद है क्योंकि हमारे राघवेंद्र सरकार अपने जन्म स्थान के लिए लंबे समय तक संघर्ष किया 22 जनवरी को शुभ घड़ी में वह जन्म स्थान पर विराजमान हुए और वर्तमान समय में अयोध्या में लगभग 5000 से अधिक मंदिर विराजमान है सभी में झूलन महोत्सव बड़े ही आनंद के साथ मनाया जा रहा है राघवेंद्र भवन में भक्तों का उत्साह बना हुआ है गुरु परंपरा के अनुसार सदियों से इस परंपरा का निर्वहन किया जा रहा है जो पूर्णिमा रक्षाबंधन तक चलता रहेगा।

कार्यालय ग्राम पंचायत कोइलसा विकास खण्ड-सल्टौआ गोपालपुर, जनपद-बस्ती

अल्पकालीन निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत **कोइलसा** विकासखंड **सल्टौआ गोपालपुर** द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना/ 15 वीं वित्त/स्वच्छ भारत मिशन/ SLWM/RGSA योजना अंतर्गत 2024–25 में स्वीकृत योजनाओं के अंतर्गत कराए जाने वाले कार्यों में प्रयोग हेतु सामग्री आपूर्ति हेतु (इंटरलॉकिंग इंट, प्रथम श्रेणी इंट, सीमेंट, सादा बालू, मोरंग, इंट की गिट्टी, पत्थर की गिले, छाड पेट, बोर्ड होम पाइप, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, सफाई ठेला कुदाल, झाड़ू, ब्लीचिंग पावडर चूना, कूड़ादान, सेनेटाइजर मशीन, फागिंग मशीन, इंडिया मार्का टू हैड पंप, रिबोर व मरम्मत की सामग्री एवं अन्य सरकारी निर्माण में प्रयुक्त सामग्री आदि) की आवश्यकता है। जिसके हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्ति कर्ता द्वारा दिनांक 13–08–2024 से दिनांक 19–08–2024 को 01:00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा फॉर्म वांछित प्रपत्र बंद लिफाफे में कार्यालय/स्थान ग्राम पंचायत **कोइलसा** में रखे गए निविदा बॉक्स में डाली जायेगी। निविदा दिनांक 20–08–2024 को अपरान्ह 2:00 बजे निविदा दाताओं के समक्ष खोला जाएगा।

नियम व शर्ते

1– अधिकृत फर्म अधिकृत डीलर का जी0एस0टी0 में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा 3 वर्ष कर आयकर क्लीयरेंस सलग्न करना अनिवार्य है।

2– जो दरें प्रस्तुत की जाए व जीएसटी तथा कार्टेज चार्ज जोड़कर प्रस्तुत की जाए।

3–आपूर्तिकर्ता को आपूर्ति पर 2 फीसदी आयकर टीडीएस देना होगा। प्रस्तुत दरें पीडब्ल्यूडी द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा पीडब्ल्यूडी के समय अनुसार तय दर पर ही भुगतान किया जाएगा।

5– ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान/अवर अभियंता के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं कि जाएगी।

6– घरोहर की धनराशि मु. 5000 (पांच हजार) है।

7– धरोहर की राशि राष्ट्रीय कृत बैंकों एडीआर एन एससी/नगर एवं डाकघर में बचत पत्र जो ग्राम पंचायत **कोइलसा** के नाम बंधक हो, की मूल प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।

8– निविदा स्वीकृत होने के उपरांत सचिव एवं ग्राम पंचायत द्वारा आदेश देने पर ही सामग्री की आपूर्ति की जाएगी।

9– आदेश देने के 7 दिनों के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर की धनराशि जब्त कर ली जायेगी।

10– सामग्री की आपूर्ति स्वीकृत दर से निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी।

11– सामग्री की मात्रा कार्य के अनुसार घटायी या बढ़ाई जा सकती है।

12– आपूर्ति कर्ता को भुगतान अवर अभियंता (ग्रा.अभि.वि.)/तकनीकी सहायक द्वारा सामग्री की गुढ़वत्ता प्रामाणित होने पर तथा मापन के उपरांत किया जाएगा गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर भुगतान नहीं किया जाएगा।

13– निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 50 है, पर ही स्वीकार किया जाएगा ।

14– निविदा फार्म किसी भी कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से निधारित मूल्य देकर प्राप्त किया जा सकता है ।

15– निविदा को बिना कारण बताए निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास सुरक्षित होगा।

16– निविदा के सबंध में अन्य जानकारी सचिव ग्राम पंचायत से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है।

सुभावती देवी
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत–कोइलसा
विकास खण्ड–सल्टौआ गोपालपुर जनपद बस्ती

शिवशंकर यादव
सचिव
ग्राम पंचायत–कोइलसा
विकास खण्ड–सल्टौआ गोपालपुर जनपद बस्ती

मेडिकल कालेज के रेजिडेंट डाक्टरों ने किया प्रदर्शन, ओपीडी प्रभावित

संवाददाता–गोरखपुर। कोलकाता में रेजीडेंट डॉक्टर की हत्या के विरोध की आंच बीआरडी मेडिकल कॉलेज तक पहुंच गई है। सोमवार को बीआरडी मेडिकल कॉलेज में रेजीडेंट डॉक्टरों ने विरोध प्रदर्शन किया। डॉक्टर पूरे मामले की सीबीआई जांच की मांग कर रहे हैं। जूनियर डॉक्टरों के इस प्रदर्शन से ओपीडी प्रभावित हुई है। कुछ विभागों में मरीज बैरंग लौट गए। इस दौरान डॉक्टरों ने प्रोटेस्ट मार्च निकाला। कोलकाता के मेडिकल कॉलेज में महिला डॉक्टर की नृशंस हत्या के मामले ने तूल पकड़ लिया है। ऑल इंडिया रेजिडेंट डॉक्टर एसोसिएशन ने इस मामले में आंदोलन का ऐलान किया है। इसी क्रम में बीआरडी मेडिकल कॉलेज में जूनियर डॉक्टर आंदोलन पर उतर गए। सोमवार को सुबह करीब 11रू00 बजे जूनियर डॉक्टरों ने काला फीता बांधकर विरोध प्रदर्शन शुरू किया। डॉक्टर एक–एक विभाग में जाकर साथियों को जुटाए। इसके बाद बाबा राघव दास की प्रतिमा के पास पहुंचे। वहां से प्रोटेस्ट मार्च निकाला। डॉक्टर इस दौरान डॉक्टर ने कहा कि यह दर्दनाक घटना है। इससे पूरा देश स्तब्ध है। चिकित्सक की ड्यूटी इमरजेंसी होती है। वह मरीज की जान बचाने के लिए रात में ड्यूटी करता है। उसकी सुरक्षा जरूरी है। दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होना चाहिए। भविष्य में ऐसी घटना दोबारा न हो इसके भी इंतजाम होने चाहिए।

प्रभारी प्राचार्य डॉ पवन प्रधान ने कहा कि रेजिडेंट डॉक्टरों ने अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया है। इससे ओपीडी पर आंशिक असर पड़ा है। ज्यादातर विभागों में ओपीडी संचालित हुई है।

एआरटीओ ऑफिस में अफसरों का छापा, एक संदिग्ध गिरफ्तार

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। हाल के दिनों में बलिया, मिर्जापुर और वाराणसी के परिवहन कार्यालयों में बाहरी व्यक्ति विभागीय फाइल इधर उधर करते मिले थे। वहीं गैर विभागीय लोगों से जांच कराकर वसूली का मामला पकड़ा गया था। इसके बाद मुख्यमंत्री ने सरकारी कार्यालयों का छापामार निरीक्षण करने का आदेश दिया था। मुख्यमंत्री के आदेश पर जिला प्रशासन आए दिन कार्यालयों का निरीक्षण करा रहा है। इसी कड़ी में सोमवार को अपर जिलाधिकारी डॉ सदानंद गुप्त ने अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पांडेय, सदर क्षेत्राधिकारी देवेंद्र मौर्य और अकबरपुर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक बीबी सिंह के साथ सहायक संभागीय परिवहन कार्यालय पर छापा मारा। एक साथ कई अफसरों के छापा मारने से एआरटीओ कार्यालय में खलबली मच गई। लोग इधर उधर भागने लगे। अफसरों ने सभी से उनके पटल के बारे में पूछताछ की। इस दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ लिया गया। माकूल जवाब न दे पाने के चलते युवक को अकबरपुर कोतवाली पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया है। युवक नगर के इंद्रलोक कॉलोनी का निवासी बताया जा रहा है। अफसरों ने सभी पटल का बारीकी से निरीक्षण किया। पत्रावलियों के रखरखाव को देखा। इस दौरान सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी सत्येंद्र कुमार सिंह यादव को कड़े निर्देश दिए। पटल पर सूचना सही व स्पष्ट शब्दों में लिखने और बाहरी व्यक्तियों का प्रवेश न देने का कड़ा निर्देश अपर जिलाधिकारी ने दिया। अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि निरीक्षण शासन के निर्देश पर किया जा रहा है। शासन की गुणवत्तापूर्ण कार्यशाली के लिए निरीक्षण अनवरत जारी रहेगा। दूसरी ओर कार्यालय में पकड़े गए युवक से अकबरपुर कोतवाली में पूछताछ हो रही है। देर शाम तक पुलिस ने मुकदमा दर्ज नहीं किया था। अपर जिलाधिकारी की अगुवाई में हुए निरीक्षण के दौरान उप सम्भागीय परिवहन कार्यालय के एक–एक कमरे में जाकर मौके पर उपस्थित लोगों से पूछताछ की गयी। औचक निरीक्षण के बाद अपर जिलाधिकारी ने बताया कि एक संदिग्ध व्यक्ति पकड़ा गया, जिसके पास कोई अभिलेख नहीं था। पता चला कि वह व्यक्ति कार्यालय में आया–जाया करता है। कहा कि अनेकों बार निर्देश दिये जाने के उपरान्त भी सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी के कार्यालय की कार्य पद्धति में अपेक्षित सुधार नहीं पाया गया। जहां बाह्य परिसर अव्यवस्थित पाया गया, वहीं कार्यालय की आन्तरिक व्यवस्थाएं भी ठीक नहीं पायी गयीं। कार्यालय के अभिलेख अव्यवस्थित रूप से रखे एवं धूल–धूसरित पाये गये। किसी भी पटल पर कार्य के सम्बन्ध में सूचना प्रदर्शित नहीं थी कि कौन सा कार्य किस पटल पर हो रहा है। कार्यालय कार्मिक के निर्गरित ड्रेस एवं आईडी कार्ड के साथ न होने के कारण कार्यालय कार्मिक एवं बाह्य व्यक्ति की पहचान किया जाना कठिन रहा। बताया कि सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी को आमजन की आवश्यक सुविधाएं यथा उनके बैठने, पीने के पानी, छाया आदि की व्यवस्थाएं कराने के साथ ही कार्यालय के अभिलेखों के सुव्यवस्थित रख–रखाव एवं गुणात्मक स्तर का सुधार का निर्देश दिया गया।

आजादी के अमृतोत्सव कार्यक्रम में हुई मेंहदी प्रतियोगिता, मातृशक्ति ने दिखाई कलाकारी

संवाददाता–गोरखपुर। आजादी के अमृत महोत्सव में राष्ट्र वंदन समिति द्वारा आज मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि ने कहा जिन भी प्रतिभागियों ने प्रतिभा किया है वह चाहे विजयी हो या ना लेकिन यह जरूर है कि उन्होंने राष्ट्र के प्रति सम्मान में अपने जीवन के समय में से कुछ समय निकालकर यहां पर दिया यह बहुत बड़ी बात है। आज के समय में अगर हम संस्कार और राष्ट्र धर्म प्रेम से भर जाएं तो हम किसी भी क्षेत्र में आगे हो सकते हैं। सोमवार को राष्ट्र वंदन समिति के द्वारा चलाए जा रहे आजादी के अमृतोत्सव कार्यक्रम के द्वितीय दिवस पर आज मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन महानगर स्थित वैष्णवी लांन पर किया गया। आयोजक मंडल के दुर्गेश त्रिपाठी ने बताया कि प्रतियोगिताओं के द्वारा युवा शक्ति का विकास किया जा सकता है। आज के कार्यक्रम में मातृशक्ति के द्वारा यह मेंहदी प्रतियोगिताएं आयोजित किया गया है इन प्रतियोगिताओं के माध्यम मातृशक्ति के अंदर आत्मविश्वास और स्वावलंबन का भाव उत्पन्न होता है और स्वावलंबन से ही देश आगे बढ़ता है। बुजुर्गों ने कहा है कर्म ही पूजा है अतः जब यह युवा सही कर्मों में लग जाएंगे तो वह निश्चित तौर पर राष्ट्र की पूजा के समान होगा तो इसलिए इस प्रकार के कार्यक्रमों में समिति युवाओं के बीच में उत्साहवर्धन करने के लिए प्रति वर्ष के कार्यक्रम करती है। कार्यक्रम में बतौर जज मोनिका गुप्ता, माया गुप्ता रही। कार्यक्रम का संचालन निधि श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम में चेतना नायक, प्रिंसी गुप्ता, शुभ ,तारा मद्धेशिया, रुबीना खातून, प्रियंका, प्रियांशी, सलोनी, सोनी, कमल, नूपुर ,बिंदु ,प्रियंका ,अर्पिता आदि ने प्रतिभाग किया।कार्यक्रम में मुख्य रूप से विनीत पांडेय, रीता शर्मा ,नीलम पांडे ,रूपरानी ,स्वीटी, माही मनोरमा पाल, गीता, लक्ष्मी ,संगीता मद्धेशिया, कचनलता, संपदा उपस्थित रहे।

अधिवक्ता के निधन पर शोक

संवाददाता–गोरखपुर। बार एसोसिएशन सिविल कोर्ट के सभागार में सोमवार को वरिष्ठ अधिवक्ता विजय कुमार तिवारी के आकस्मिक निधन पर एक शोक सभा एसोसिएशन के अध्यक्ष भानु प्रताप पांडेय की अध्यक्षता में हुई। इसका संचालन मंत्री गिरिजेश मणि त्रिपाठी ने किया। शोक सभा में अधिवक्ताओं ने उनके निधन पर दो मिनट का मौन रखकर श्रंद्धा से उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। अधिवक्ताओं ने उन्हें मृदुभाषी मिलनसार एवं कुशल अधिवक्ता बताते हुए उनके निधन को अधिवक्ता समुदाय के लिए अपूरणीय क्षति बताया। उनके निधन से दुखी एवं मर्माहत होने के कारण बार एसोसिएशन सिविल कोर्ट के अधिवक्ता सोमवार को न्यायिक कार्य से विरत रहे। शोक सभा में अभिमन्यु पांडेय, उमापति उपाध्याय, जितेंद्र धार दूबे, रवि प्रकाश शुक्ल, राजेश कुमार पांडेय, मृत्युंजय राज सिंह, अशोक कुमार चौहान, सुनील मिश्रा, अनिल पासवान, स्नेहा मिश्रा, सुमित प्रधान,पुष्पा सिंह, अजय शंकर त्रिपाठी, आनंद कुमार श्रीवास्तव आदि अधिवक्ता उपस्थित रहे।

राजकीय महिला शरणालय में दी गई भ्रूण हत्या की जानकारी

संवाददाता–गोरखपुर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में सोमवार को जनपद न्यायाधीश तेज प्रताप तिवारी के कुशल निर्देशन में लिंग चयन और लिंग निर्धारण के निषेध पर जन जागरूकता एवं कन्या भ्रूण हत्या व बालिकाओं के प्रति भेदभाव विषय पर विधिक जागरूकता साक्षरता शिविर का आयोजन राजकीय महिला शरणालय घंटाघर में किया गया।

यह जानकारी अपर सत्र न्यायाधीश सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विकास सिंह ने दी। उन्होंने सर्वप्रथम महिला शरणालय का औचक निरीक्षण किया तथा उपस्थित संवासिनियों को उक्त विषय पर लिंग चयन प्रतिषेध अधिनियम 1994 के बारे में बताया कि यह कन्या भ्रूण हत्या को रोकने के लिए लागू किया गया है। इस अधिनियम ने प्रसव पूर्व लिंग निर्धारण पर प्रतिबंध लगा दिया है। कोई भी व्यक्ति जो प्रसव पूर्व गर्भाधान लिंग निर्धारण का विज्ञापन करता है या ऐसे किसी भी कार्य में संलग्न होता है तो उसे तीन साल तक कैद की सजा का प्रावधान है। इसके अतिरिक्त महिला शरणालय के निरीक्षण केवदौरान समक्ष आई कमियों के सुधार के लिए प्रभारी को निर्देशित किया कि वह शरणालय का नियमित रूप से साफ सफाई करवाते रहें। साथ ही साथ यदि किसी संवासिनी को किसी प्रकार की विधिक सहायता की आवश्यकता हो तो उनका प्रार्थना पत्र तैयार कराकर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय में उपलब्ध कराए।

मकान के चौथी मंजिल से कूदी महिला, दहेज हत्या क मुकदमा दर्ज

संवाददाता–गोरखपुर। पीपीगंज नगर पंचायत के वार्ड नं 19 अब्दुल हमीद नगर में सोमवार को अपने घर के चौथे मंजिल से एक महिला ने कूद कर जान दे दी। महिला नंदनी अग्रहरी के पिता ने ससुराल वालों पर बेटी को छत से फेंकने का आरोप लगाया है। सूचना पर पहुंचे क्षेत्राधिकारी गौरव त्रिपाठी व थाना प्रभारी, नायब तहसीलदार मौके पर पहुचे जांच पड़ताल की। पुलिस की जांच में घर से एक सुसाइड नोट भी मिला है। फिलहाल पुलिस ने पिता के आरोप पर दहेज हत्या का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी। एसपी नार्थ जितेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि केस दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

जीआईएस आधारित कर निर्धारण में मनमानी बर्दाश्त नहीं

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्य संवाददाता जीआईएस आधारित सम्पत्तिकर निर्धारण के खिलाफ गोरखपुर नगर निगम के समाजवादी पार्टी के पार्षदों ने बगावती रुख अख्तियार कर लिया है। सोमवार को सपा पार्षद दल नेता अशोक यादव की अगुवाई में नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल को ज्ञापन देकर जीआईएस सर्वेक्षण आधारित बिल का वितरण तत्काल रोकने की मांग की। चेताया कि निगम की मनमानी नहीं रुकी तो हस्ताक्षर अभियान लेकर वार्डो में जनता के बीच जाएंगे।

सपा पार्षद दल नेता अशोक यादव एवं जिलाउल इस्लाम ने आरोप लगाया कि नगर निगम की सभी बैठकों में जीआईएस सर्वेक्षण आधारित सम्पत्तिकर के निर्धारण पर हर बार भवन स्वामियों की समस्याओं को उठाया गया। लेकिन उनकी समस्या पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। आरोप लगाया कि सर्वेक्षण करने वाली कंपनी ने भवन स्वामियों का डाटा गलत दर्शाया। भवन स्वामियों को भेजे गए जीआईएस सर्वेक्षण आधारित नोटिस में सड़क की चौड़ाई ज्यादा दिखाई जा रही है जबकि मौके पर उतनी नहीं है। यही नहीं, भवन कर निर्धारण में कारपेट क्षेत्रफल पूरे भवन खंड से लिया जा रहा है, यह नगर निगम अधिनियम 1959 के अनुसार पूर्णतया गलत है। यही नहीं, सर्वेक्षण में जिन क्षेत्रों में वाटर लाइन, सीवर लाइन नहीं पड़ी है, या सेवा नहीं दे रही है, सम्पत्तिकर में उन्हें भी शामिल किया गया है। सपा पार्षदों ने चेताया कि नगर निगम इस मनमाने कर निर्धारण पर लगाम नहीं लगाती तो जनान्दोलन के लिए मजबूर होंगे। प्रथम चरण में सभी वार्डों में हस्ताक्षर अभियान चलेगा। उसके बाद जनता के साथ सड़क पर आएंगे। ज्ञापन सौंपने वालों में अशोक यादव, जिलाउल इस्लाम, शहाब अंसारी, रमेश यादव, जुबेर अहमद, उज्जैर अहमद, बिजेंदर अग्रहरि, वजीउल्लाह अंसारी, अभिषेक पासवान ,चंद भान प्रजापति ,दिलशाद आलम, विक्की मिश्रा, नूर मोहम्मद, दिनेश गुप्ता ,दानिश मुस्तफा, आयशा खातून, मनोज त्रिपाठी ,शाहिद अख्तर, सबिया खातून, इरशाद अहमद ,जावेद खान, इश्तियाक बबलू, उमाशंकर जायसवाल, मिनाजुद्दीन अंसारी, मोहम्मद अहमद अंसारी, सिंहासन सिंह यादव समेत अन्य उपस्थित रहे।

अवैध तरीके से संचालित आठ डिजिटल लाइब्रेरी सील

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। जिलाधिकारी के निर्देश पर सोमवार को जिला विद्यालय निरीक्षक गिरीश कुमार सिंह ने नगर में अवैध तरीके संचालित आठ डिजिटल लाइब्रेरी को सील कर दिया। अचानक इस कार्रवाई से संचालकों में खलबली मच गई। कई लाइब्रेरी संचालक अपनी लाइब्रेरी बंद कर भाग निकले। जांच में यह पाया गया कि कई लाइब्रेरी खतरनाक तरीके से संचालित होती पाई गई, जहां पर किसी भी वक्त दुर्घटना हो सकती है। नई दिल्ली में बेसमेंट में संचालित कोचिंग सेंटर में हुए हादसे के बाद जिला प्रशासन ने भी कड़ा रुख अख्तियार करते हुए कोचिंग सेंटर और डिजिटल लाइब्रेरी खिलाफ अभियान शुरू कर दिया है। सोमवार को जिला विद्यालय निरीक्षक गिरीश कुमार सिंह ने नगर में अलग–अलग जगह पर अवैध तरीके संचालित डिजिटल लाइब्रेरी को सील करवा दिया। कई लाइब्रेरी ऐसी मिली जहां पर पर्याप्त स्थान न होने के बाद भी उससे कई गुना अधिक छात्र पढ़ते मिले। कुछ लाइब्रेरी बेसमेंट में भी संचालित पाई गई जहां पर कभी भी दुर्घटना हो सकती है। इसको देखते हुए उसे तत्काल सील किया गया और चेतावनी दी गई कि किसी भी दशा में यदि पुनरू लाइब्रेरी का संचालन किया गया तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जिन डिजिटल लाइब्रेरी को सील किया गया है उसमें बसखारी रोड पर स्थित प्रिया लाइब्रेरी, वासुदेव डिजिटल लाइब्रेरी, श्री डिजिटल लाइब्रेरी, अथर्व डिजिटल लाइब्रेरी, जीनियस लाइब्रेरी, हाईटेक लाइब्रेरी और विद्या लाइब्रेरी शामिल हैं। डीआईओएस गिरीश कुमार सिंह ने बताया कि डिजिटल लाइब्रेरी संचालकों द्वारा न तो शिक्षा विभाग से कोई रजिस्ट्रेशन कराया गया था न किसी अन्य विभाग से कोई आदेश है जबकि लाइब्रेरी को संचालित करने के लिए जो मानक है उसका भी पालन नहीं किया गया था। बिजली और पफायर विभाग की एनओसी भी नहीं ली गई है।

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0 2/1992
चन्द्र प्रकाश
बनाम
राम अवध सिंह आदि

7/3/1 वेदप्रकाश उम्र लगभग 26 साल 7/2/1 सत्य प्रकाश उम्र लगभग 22 साल पुत्रगण स्व0 धर्मेन्द्र कुमार 7/3/3 कुमारी दिव्या उम्र लगभग 27 साल पुत्री स्व0 धर्मेन्द्र कुमार 7/3/4 श्रीमती सावरमती धर्म पत्नी स्व0 धर्मेन्द्र कुमार समस्त निवासीगण ग्राम कोदई तप्पा खुरियार परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 27–08–2024

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 27 माह 08 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान प्रथम अति0 सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती कोर्ट सं0–8
मूलवाद सं0 129/1995
विनोद कुमार आदि
बनाम
राम आसरे आदि

2/2 बुधिराम उम्र 46 वर्ष पुत्र रामसन्त ग्राम बधौली तप्प उतरावल परगना मगहर पूरव तहसील खलीलाबाद जिला–संतकबीरनगर

तारीख पेशी 28–08–2024

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 28 माह 08 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान प्रथम अति0 सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती कोर्ट सं0–8
मूलवाद सं0 1315/1991
रणवीर सिंह
बनाम
सन्तोष कुमार सिंह आदि

1. सुनील कुमार सिंह उम्र करीब 48 वर्ष पुत्र स्व0 श्रीराम शंकर सिंह साकिन धरमपुरवा तप्पा बांसखोर परगना बस्ती पूरव तहसील रूधौली जिला–बस्ती

तारीख पेशी 28–08–2024

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 28 माह 08 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी दीवान पुत्र स्वर्गीय श्री बरसाती ग्राम–हनुमान नगर, मोहनापुर सराय खत्री पोस्ट–दुर्जनपुर पचूमी जनपद गोण्डा का निवासी हूं। मेरा आधार कार्ड एवं अन्य अभिलेखों में दीवान है। त्रुटिवश भारतीय जीवन बीमा निगम के एक पालिसी में मेरा नाम जीवन हो गया है जो गलत है। उसे सुधारकर दीवान किया जाय।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे क्लाइन्ट आधार हाउसिंग फाइनेन्स लिमिटेड शाखा फैजाबाद ब्रान्च आफिस 5/17/171 प्रथम तल शक्ति नगर कालोनी देवकाली स्मार्ट बाजार के सामने फैजाबाद अयोध्या की तरफ से सूचित किया जाता है कि इकबाल अहमद पुत्र वफाती ग्राम व पोस्ट – भरवठिया बाजार जिला सिद्धार्थनगर में गृह ऋण हेतु आवेदन किया है जिसमे एक बैनामा श्रीमती मिथलेश कश्यप उर्फ गोमती देवी पत्नी श्री रामेश्वर प्रसाद निवासिनी 500/299 कुतुबपुर गोकरन नाथ रोड डालीगंज लखनऊ दिनांक 21–09–11 बही संख्या 01 क्रमांक– 7026 जो कि सब रजिस्ट्रार लखनऊ में दर्ज है जिसका भवन संख्या 499/30 ग रकवा 39.83 वर्ग मीटर मोहल्ला – हसनगंज– – पार वार्ड / परगना मनकामेश्वर तहसील व जिला लखनऊ है जो कही खो गया है को बन्धक रखने हेतु संस्था में आवेदन किया है यदि किसी व्यक्ति बैंक अथवा संस्था को प्रश्नगत सम्पत्ति बन्धक रखने में आपत्ति है तो इस प्रकाशन के 07 दिन के अन्दर आपत्ति अधोहस्ताक्षरी के समक्ष प्रस्तुत कर दे अन्यथा यह मान लिया जायेगा कि किसी भी प्रकार के उपरोक्त संस्था को बन्धक रखने में कोई आपत्ति नहीं है।

सचिन शंकर
एडवोकेट
रोड न. 3 सिविल कोर्ट फैजाबाद
मो0–8299765176

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0 565/2022
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती
प्रेममती आदि
बनाम
सर्वेश कुमार आदि

1. सर्वेश कुमार 2. बृजेश कुमार पुत्रगण स्व0 राजबहादुर 3. राज बहादुर पुत्र स्व0 लालमन साकिनान मौजा उमरी अहरा तप्पा कोरऊ परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 10–10–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 10 माह 10 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान पंचम अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0 1/2017
रामदेव
बनाम
नागेन्द्र

1. श्रीमती मीना देवी पत्नी नागेन्द्र 2. अमित पटेल 3. अमर पटेल पुत्रगण नागेन्द्र 4. अनीता पुत्री नागेन्द्र साकिनान मौजा पकरडीहा तप्पा दखिन हवेली परगना मगहर पूरव तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीर नगर

तारीख पेशी 13–08–2024

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 13 माह 08 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 378/2023
दिलीप कुमा–सायल
1 दिलीप कुमार उम्र 38 वर्ष पुत्र प्रदीप कुमार साकिन सरैया अतिबल थाना दुबौलिया तप्पा रामगढ़ परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 21–08–2024

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 21–08–2024 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0 565/2022
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती
प्रेममती आदि
बनाम
सर्वेश कुमार आदि

1. सर्वेश कुमार 2. बृजेश कुमार पुत्रगण स्व0 राजबहादुर 3. राज बहादुर पुत्र स्व0 लालमन साकिनान मौजा उमरी अहरा तप्पा कोरऊ परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 10–10–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 10 माह 10 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
सिविल अपील संख्या 14/2023
अदालत–श्रीमान प्रथम अति0 जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती
सालिकराम उपाध्याय
बनाम
शिवराम सिंह (मृतक)

1/1 श्रीमती अमरावती आयु करीब 90 वर्ष पत्नी स्व0 शिवराम 1/2 राममणि आयु करीब 70 वर्ष 1/3 देवमणि आयु करीब 72 वर्ष पुत्रगण स्व0 शिवराम 1/4 पुष्पा देवी आयु करीब 73 वर्ष 1/5 शारदा देवी आयु करीब 69 वर्ष पुत्रीगण स्व0 शिवराम निवासीगण मौजा ऊँजी मुस्तहकम तप्पा ऊँजी परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग

3. परमात्मा प्रसाद आयु लगभग 62 वर्ष पुत्र शोभाराम निवासी मौजा ऊँजी मुस्तहकम तप्पा ऊँजी परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

–प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 10–09–2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई0
रेस्पान्डेन्टस

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 10 महीना 09 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी। आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।
द0 हाकिम

फरार हिस्ट्रीशीट के घर कुर्की की नोटिस चस्पा

संवाददाता–गोरखपुर। क्षेत्र के भरोहिया गांव निवासी व थाने के हिस्ट्रीशीटर गुड्डू ढाढी के घर पुलिस ने कुर्की के पहले का नोटिस चस्पा कर दिया। वह महीनों से फरार चल रहा है। इसके बाद पुलिस ने सोमवार को 82 की कार्रवाई करते हुए घर पर नोटिस चस्पा किया है। इस मौके पर पीपीगंज थाने के एसआई दलसिंहार ने हिस्ट्रीशीटर गुड्डू ढाढी के घर भरोहिया पहुंचकर डुगडुगी करते हुए नोटिस चस्पा किया।

गैंगस्टर ने जान से मारने की धमकी दी

संवाददाता–गोरखपुर। क्षेत्र के प